दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, मंगलवार, 21 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 225, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

अब हवाएँ ही करेंगी रौशनी का फ़ैसला जिस दिए में जान होगी वो दिया रह जाएगा

-महशर बदायूंनी

कहीं पुलिस घायल, कहीं कॉकरोच पर लाठी... दिल्ली का अनोखा प्रदर्शन

कॉकरोच पर दिल्ली पुलिस का HIT

नई दिल्ली ● एजेंसी

इंटरनेट बंद होने का सबसे बड़ा असर उन पुलिसकर्मियों पर पड़ा, जिन्हें सोमवार को कानून व्यवस्था संभालने के लिए नई दिल्ली बुलाया गया था। जंतर मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के बीच मंडी हाउस से करोल बाग और मंदिर मार्ग तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। इसका नतीजा यह हुआ कि दूसरे जिलों से ड्यूटी पर आए कई पुलिसकर्मी गूगल मैप नहीं खोल सके और अपनी तैनाती वाली जगह तक पहुंचने के लिए घंटों भटकते रहे। आखिरकार उन्हें लोगों से रास्ता पूछना पड़ा और कागज पर लिखे दिशा-निर्देश के सहारे ड्यूटी स्थल तक पहुंचना पड़ा।

ऐसे ही दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बन रहे एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के पास लगाई गई थी। उनके पास ड्यूटी रोस्टर था, लेकिन उसमें केवल तैनाती स्थल का नाम लिखा था। इंटरनेट बंद होने से वे गूगल मैप नहीं चला सके। गोल मार्केट से पंडित पंत मार्ग तक भटकने के बाद उन्होंने ऑटो चालकों से रास्ता पूछा, लेकिन उन्हें भी इस नई जगह एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव की जानकारी नहीं थी। उन्हें इस जगह के पीछे की रोड पर तैनात किया गया था। बाद में कार्यालय के ब्रॉडबैंड इंटरनेट की मदद से उन्हें रास्ता खोजकर बताया गया और कागज पर प्रमुख सड़कें व चौराहे लिखकर दिए गए। दोनों पुलिसकर्मी आपस में कहते रहे कि अगर समय पर नहीं पहुंचे तो अनुपस्थित ही लगा दिया जाएगा।

प्रदर्शनकारी भी पूछते रहे रास्ता

दूर-दराज के इलाकों और दूसरे राज्यों से आए प्रदर्शनकारी भी नई दिल्ली की सड़कों पर एक-दूसरे से जंतर मंतर का रास्ता पूछते नजर आए। इंटरनेट सेवा ठप होने से मोबाइल मैप और लोकेशन शेयरिंग काम नहीं कर रही थी, जिससे अनजान लोगों को काफी परेशानी हुई।

कैब और बाइक सवारों का हिसाब बिगड़ा

इंटरनेट बंद होने का सीधा असर एप आधारित टैक्सी और बाइक सेवाओं पर भी पड़ा। नई दिल्ली पहुंचते ही कई यात्राओं का किराया मोबाइल पर अपडेट नहीं हुआ और बिल जनरेट नहीं हो सका। ऐसे में यात्रियों और चालकों ने आपसी सहमति से अनुमान के आधार पर किराया तय किया। किसी ने कम तो किसी ने अधिक भुगतान किया।

ऑनलाइन भुगतान भी ठप

दिल्ली के दफ्तरों और बाजारों में रोजमर्रा की खरीदारी ज्यादातर ऑनलाइन भुगतान से होती है। इंटरनेट सेवा बंद रहने से दुकानों पर क्यूआर कोड काम नहीं कर पाए। लंच के समय सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हुई जिनके पास नकद नहीं था। कई लोगों ने परिचित दुकानों से उधार लेकर खाना खाया, जबकि कई लोग नकदी निकालने के लिए एटीएम तलाशते रहे। प्रदर्शन के मद्देनजर की गई इंटरनेट बंदी का सबसे बड़ा खामियाजा आखिरकार आम लोगों को भुगतना पड़ा।

CJP के 'संसद चलो' मार्च में उपद्रव: 10 वरिष्ठ अफसर समेत 50+ सुरक्षाकर्मी घायल

राजधानी में आज हुई कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च के दौरान हुई उपद्रव में सुरक्षाबलों को भारी नुकसान पहुंचा है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दौरान 50 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों (पैरामिलिट्री) के जवान घायल हो गए हैं। घायलों में आईपीएस और दानिप्स कैडर के अधिकारियों सहित लगभग 10 वरिष्ठ पुलिस अफसर भी शामिल हैं।

उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज होंगी कई एफआईआर- उपद्रव और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की इस घटना को दिल्ली पुलिस ने बेहद गंभीरता से लिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आज हुए उपद्रव और पत्थरबाजी के मामले में कई अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की जा रही हैं।

हिरासत में लिए गए कई प्रदर्शनकारी, वीडियो फुटेज से होगी पहचान- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों से हिंसा में शामिल कई उपद्रवियों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों द्वारा पत्थरबाजी का वीडियो भी शेयर किया है। इसके अलावा उपद्रव के और सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। वीडियो साक्ष्यों के आधार पर उपद्रव में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खड़गे ने जंतर-मंतर लाठीचार्ज और नीट मुद्दे पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष ने नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर सरकार को घेरा। इन मुद्दों पर जोरदार हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीट परीक्षा और पेपर लीक को लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए कहा कि

जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर एकत्र हुए थे, लेकिन उनकी आवाज दबाने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बल प्रयोग के जरिए प्रदर्शनकारियों को हटाने और विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। खड़गे ने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़ी चिंताओं पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए और सरकार को जवाब देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष ने की नारेबाजी- उधर, लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने नीट-यूजी पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा मामले सहित कई मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। कई सांसद पोस्टर और बैनर लेकर सदन पहुंचे, जिसके कारण सदन का माहौल काफी गर्म रहा। विपक्ष ने संकेत दिए कि पूरे मानसून सत्र के दौरान इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक पेश- इसी बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक पेश किया। सरकार का कहना है कि लंबित मामलों के तेजी से निपटारे और न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह कदम आवश्यक है।

भारत की दो-टूक : 'PAK रोके आतंकवाद, तभी आगे बढ़ेगी बात'

सिंधु जल संधि को मिलेगा नया रूप, सरकार की तैयारी क्या?

नई दिल्ली ● एजेंसी

सरकारी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) अपने मौजूदा स्वरूप में दोबारा लागू नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अब तक भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद समाप्त करने का कोई संकेत नहीं दिया है, जबकि संधि के तहत सहयोग बहाल करने के लिए यह पहली शर्त है।

सूत्रों के अनुसार, अगर भविष्य में इससे जुड़े प्रावधानों को फिर से लागू किया जाता है, तो इसके लिए संधि पर नए स्वरूप में बातचीत करनी होगी। यह तभी संभव होगा, जब पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को स्थायी रूप से समर्थन देना बंद करे।

क्या भारत तोड़ देगा सिंधु जल संधि?- सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान यह गलत धारणा बनाने की कोशिश कर रहा है कि भारत द्वारा संधि को स्थगित किए जाने से वहां पानी की कमी हो रही है। जबकि वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान को मिलने वाले पानी का बड़ा हिस्सा पर्याप्त भंडारण व्यवस्था के अभाव, भारी रिसाव और प्रांतों के बीच जल बंटवारे के विवादों के कारण नष्ट हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत फिलहाल सिंधु जल संधि से अलग होने की दिशा में सक्रिय रूप से विचार नहीं कर रहा है, लेकिन एक संप्रभु देश होने के नाते उसके पास अपने हितों के खिलाफ जाने वाली किसी भी संधि को समाप्त करने का अधिकार सुरक्षित है। एक सूत्र ने कहा, 'यह (संधि से बाहर निकलना) इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे पाकिस्तान क्या कदम उठाता है।'

जल संधि को नए अवतार में पेश करेगा भारत- पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत के बाद भारत ने कई कूटनीतिक और आर्थिक कदम उठाए थे। इन्हीं के तहत सिंधु जल संधि को भी स्थगित करने का फैसला लिया गया था। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि इस हमले को पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने अंजाम दिया था। इसके जवाब में भारत ने मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया था।

एक अन्य सूत्र ने कहा, यह कहना सही होगा कि सिंधु जल संधि अपने मौजूदा स्वरूप में दोबारा लागू नहीं होगी। अगर इससे जुड़े प्रावधानों को फिर से लागू करना है, तो वह मौजूदा स्वरूप में नहीं बल्कि नए ढांचे में होगा और तभी होगा, जब पाकिस्तान आतंकवाद का त्याग करेगा।

ताकत नहीं, मुसीबत बढ़ाती हैं एनर्जी ड्रिंक्स

नई दिल्ली। बड़े-बड़े खिलाड़ी और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के विज्ञापन देखकर नई पीढ़ी एनर्जी ड्रिंक्स को फैशन और ताकत का प्रतीक मानने लगी है। लेकिन क्या सच में ये ड्रिंक्स शरीर को ऊर्जा देती हैं या फिर धीरे-धीरे सेहत के लिए मुश्किलें बढ़ाती जा रही हैं? मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि एनर्जी ड्रिंक्स में आमतौर पर सेंट्रल नर्वस सिस्टम

को उत्तेजित करने वाले तत्व (जैसे कैफीन), ज्यादा मात्रा में चीनी या आर्टिफिशियल स्वीटनर होते हैं। इन्हें विशेषज्ञों ने सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक पाया है। इसी चिंता को देखते हुए इंग्लैंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

यूक्रेन में MV गोल्डन लियो जहाज पर हमला : चार भारतीय नाविकों की मौत

कीव। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास एक मालवाहक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हमला 19 जुलाई की शाम उस समय हुआ, जब एमवी गोल्डन लियो नाम का जहाज ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहा था। इस घटना ने एक बार फिर काला सागर क्षेत्र में बढ़ते खतरे और वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत सरकार ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए हमले की कड़ी निंदा की है और प्रभावित भारतीयों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि हमले के समय एमवी गोल्डन लियो पर कुल 17 चालक दल के सदस्य मौजूद थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे। हमले में चार भारतीयों की जान चली गई, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है।

भारत जेट इंजन रेस में चीन से क्यों पिछड़ गया

नई दिल्ली ● एजेंसी

करीब चार दशक पहले भारत और चीन ने लगभग एक साथ लड़ाकू विमानों के लिए स्वदेशी जेट इंजन विकसित करने का सपना देखा था। वर्ष 1986 में भारत ने कावेरी इंजन कार्यक्रम शुरू किया, वहीं चीन ने WS-10 परियोजना पर काम आरंभ किया। उस समय दोनों देशों की तकनीकी क्षमता और चुनौतियां लगभग समान थीं। लेकिन 40 वर्षों बाद तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

आज चीन अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान J-20 में स्वदेशी WS-15 इंजन लगाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल कर चुका है, जबकि भारत का स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस

अभी भी अमेरिकी GE F404 इंजन पर निर्भर है। सवाल उठता है कि आखिर दोनों देशों के सफर में इतना बड़ा अंतर क्यों आया? इसका उत्तर केवल तकनीक में नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति, निरंतर निवेश और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में छिपा है। चीन ने एयरो-इंजन तकनीक को अपनी रक्षा रणनीति का केंद्र बनाया। उसने अरबों डॉलर का निवेश किया, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच मजबूत तालमेल बनाया तथा शुरुआती असफलताओं को सीखने का अवसर मानकर लगातार आगे बढ़ता रहा। यही निरंतरता आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है।

भारत का कावेरी इंजन कार्यक्रम भी महत्वाकांक्षी था, लेकिन इसे तकनीकी जटिलताओं, सीमित बजट और नीतिगत चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने उन्नत तकनीक तक पहुंच को और कठिन बना दिया। नतीजतन, कावेरी इंजन समय पर तैयार नहीं हो पाया और तेजस को विदेशी इंजन पर निर्भर रहना पड़ा। फिर भी भारत की उपलब्धियों को कम करके नहीं आंका जा सकता। देश ने सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। साथ ही फ्रांस की Safran और ब्रिटेन की Rolls-Royce जैसी कंपनियों के साथ तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर काम जारी है। भारत का लक्ष्य अब केवल इंजन खरीदना नहीं, बल्कि भविष्य में उसकी डिजाइन, निर्माण और बौद्धिक संपदा (IP) पर अपना अधिकार स्थापित करना है।

आधुनिक जेट इंजन विकसित करना दुनिया की सबसे जटिल इंजीनियरिंग उपलब्धियों में गिना जाता है। वर्तमान में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन जैसे कुछ ही देशों के पास यह क्षमता है।

लापरवाही पाये जाने पर दो परियोजना अधिकारियों को शोकॉज नोटिस

योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

इंदौर ● संवाददाता

कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले में कुपोषण की रोकथाम एवं सुपोषण को बढ़ावा देने के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की आज समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में राज्य शासन द्वारा संचालित सभी पोषण संबंधी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा कुपोषण का शिकार न रहे।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिंह सहित सहायक संचालक, परियोजना अधिकारी तथा ब्लॉक कॉर्डिनेटर उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों से कहा कि यदि कहीं भी कुपोषित बच्चे चिन्हित होते हैं तो उनके लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे बच्चों को आवश्यक पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके पोषण स्तर में शीघ्र सुधार लाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं।

कलेक्टर वर्मा ने बैठक में कुपोषण की रोकथाम, आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रदाय किए जा रहे नाश्ता एवं भोजन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा आधार आईडी सत्यापन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कुपोषण उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की नियमित निगरानी की जाए तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देकर जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए प्रभावी कार्य किया जाए।

कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले नाश्ता एवं भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पौष्टिकता सुनिश्चित की जाए। किचन शेड की नियमित साफ-सफाई रखी जाए तथा मातृ सहयोगिनी समितियों को सक्रिय कर उनके माध्यम से भोजन की गुणवत्ता की सतत निगरानी कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्वयं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर भोजन का परीक्षण करें तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं आधार आईडी सत्यापन की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए

कलेक्टर वर्मा ने आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित एवं प्रभावी संचालन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी केंद्र निर्धारित समय पर संचालित हों तथा वहां संचालित सभी शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं तक समय पर पहुंचे। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ गुणवत्तापूर्वक प्राप्त हो।

कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्देश दिए कि सभी लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

समग्र सत्यापन एवं आभा आईडी में प्रगति संतोषजनक नहीं

समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने महिला एवं बाल विकास विभाग के दो परियोजना अधिकारियों को कारण बताओ (शोकॉज) नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बताया गया कि समग्र सत्यापन एवं आभा आईडी में प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर परियोजना शहरी क्रमांक 7 के परियोजना अधिकारी दिनेश मिश्रा एवं इंदौर ग्रामीण क्रमांक 1 के परियोजना अधिकारी नितिन चौरसिया को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

संक्षेप

वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दोनों की मौत

पीथमपुर। पीथमपुर में प्रताप स्टील चौराहे पर बुधवार दोपहर करीब तीन बजे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। वाहन ने युवकों का सिर कुचल दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान संतोष (42) पिता त्रिवेणी झा निवासी बेरुख बेनीपुर, बिहार और राधेश्याम निवासी बोरगांव बुजुर्ग, पंधाना, जिला खंडवा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों के चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आईं। घटनास्थल पर खून फैल गया, जिससे चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई। वाहनों की आवाजाही थम गई।

पहले चने की बोरियां चुराईं, बोतल-पत्थर भरकर भेजे

इंदौर। भंवरकुआं थाना पुलिस ने चने की बोरियों में हेराफेरी कर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28 बोरी चना बरामद कर लिया है, जबकि मामले में हरदा निवासी एक अन्य व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के मुताबिक, व्यापारी राजू सारदा ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उन्होंने हरदा से 29 बोरी चना खरीदा था। जब माल की डिलीवरी उनके पास पहुंची और बोरियों की जांच की गई तो उनमें चने की जगह पानी की प्लास्टिक की बोतलें और पत्थर भरे मिले। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

इंदौर में नौकरी के नाम पर छात्रों से ठगी

इंदौर। नौकरी दिलाने के नाम पर स्टूडेंट्स की ओरिजनल मार्कशीट रखने और वापस करने के एवज में 5 हजार रुपए की डिमांड करने वाले एक कंसलटेंसी के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके पास से 313 स्टूडेंट्स की 10वीं-12वीं की मार्कशीट मिली। कई स्टूडेंट्स ने पुलिस को इस बात की शिकायत की थी, जिसके बाद विजय नगर पुलिस हरकत में आई और मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि ऑर्बिट मॉल में मयंक सर्राफ का कंसलटेंस ऑफिस है। वह AZFA इंटरप्राइजेज नाम फर्म के माध्यम से इंदौर में पढ़ने आए स्टूडेंट्स को पार्ट टाइम, फूल टाइम नौकरी दिलाने का काम करता है, नौकरी पाने की इच्छुक स्टूडेंट्स द्वारा संपर्क करने पर उनकी ओरिजनल मार्कशीट अपने पास रख लेता और उन्हें टास्कअप, टेलीपरफॉर्मेंस, प्राइवेट बैंक आदि जगह पर नौकरी दिलाता और बदले में 5 हजार रुपए प्रतिव्यक्ति से लेता।

मशीन का स्टैंड गिरने से कर्मचारी की मौत

पीथमपुर के हिमटेक्नो कंपनी में मेंटेनेंस में लापरवाही

पीथमपुर ● संवाददाता

धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित हिमटेक्नो कंपनी में मशीन हादसे में कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद तीन कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, 4 जुलाई की शाम करीब 5:30 बजे 600 टन क्षमता वाली हैमर मशीन का स्टैंड 49 साल के कर्मचारी भीमसेन के सिर पर गिर गया था। जांच में मशीन की सर्विसिंग के दौरान लापरवाही सामने आने पर तीन टेक्नीशियन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, कुल्लुराम सेन के पुत्र भीमसेन (49) हिमटेक्नो कंपनी में पार्ट्स की डाई बनाने का काम करते थे। 4 जुलाई की शाम वे 600 टन क्षमता वाले हैमर पर ग्राइंडिंग कर रहे थे। इसी दौरान मशीन का स्टैंड मुड़कर उनके सिर पर गिर गया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि हादसे से तीन दिन पहले, 1 जुलाई को मशीन का मेंटेनेंस और सर्विसिंग की गई थी। ये काम टेक्नीशियन विनोद कुमार, फीटर सुरेश बोराडे और रामतिरथ को सौंपा गया था।

दावा- गलत फिटिंग से हुआ हादसा

पुलिस जांच के अनुसार, सर्विसिंग के दौरान मशीन को सही तरीके से फिट नहीं किया गया। आरोप है कि इसी लापरवाही के कारण काम के दौरान हैमर मशीन का स्टैंड मुड़कर भीमसेन के सिर पर गिर गया, जिससे उनकी मौत हो गई। जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों के आधार पर थाना सेक्टर-1 पीथमपुर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। आरोपी विनोद कुमार, सुरेश बोराडे और रामतिरथ के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) (लापरवाही से मृत्यु कारित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की विवेचना प्रधान आरक्षक रुपराव तनपुरे कर रहे हैं।

महू के स्कूल में पहली के छात्र से दुर्व्यवहार

महू। महू के सिग्नल विहार स्थित डेफोडील स्कूल में सोमवार को कक्षा पहली के छात्र से कथित दुर्व्यवहार को लेकर एबीवीपी और हिंदू संगठनों ने भारी हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने स्कूल परिसर में धरना देकर समन्वयक जैनब खान के इस्तीफे की मांग की। छात्र अर्नव की मां मीनू सेंधव ने आरोप लगाया कि समन्वयक जैनब खान उनके बेटे को मानसिक रूप से परेशान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 96 से 98 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र को हालिया टेस्ट में शून्य अंक दिए गए और बात करने पर अभद्रता की गई। प्रदर्शन के दौरान स्कूल प्रबंधन का पक्ष लेने पहुंचे जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय का कार्यकर्ताओं ने विरोध किया।

नाले किनारे मिला 35 साल के युवक का शव

पीथमपुर। पीथमपुर के सेक्टर-1 थाना क्षेत्र स्थित सांवरिया मंदिर चौराहे के पास सोमवार सुबह नाले के किनारे 35 साल के युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सांवरिया मंदिर के पास स्थित झुग्गी बस्ती निवासी आत्माराम पिता दूधा राठौड़ (35) के रूप में हुई है। वह राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और पांच बेटियां हैं। वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। सूचना मिलते ही नवागत नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) कमल सिंह चौहान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे।

नशे-पैसों के लिए भतीजे ने किया मर्डर, अरेस्ट

ताऊ की हत्या के बाद खुद ही मचाया शोर, खून से दीवार पर बनाए हाथों के निशान

इंदौर ● संवाददाता

राजनगर में नशे की लत, कर्ज चुकाने के लिए पैसों की जरूरत और पारिवारिक मनमुटाव के चलते एक भतीजे ने अपने ताऊ की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने पड़ोसी की दीवार पर खून से सने हाथों के निशान बनाए और ऐसा दिखाने की कोशिश की कि आरोपी पड़ोसी के घर की ओर भागा है।

हालांकि, उसकी यह चालाकी ज्यादा देर तक नहीं चली। रविवार को हुई इस वारदात का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 50 वर्षीय कमल कुमावत हत्याकांड में आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने जब मृतक कमल कुमावत के 19 वर्षीय भतीजे चेतन कुमावत, पिता पप्पू कुमावत, निवासी डी सेक्टर राजनगर से पूछताछ की तो वह घबरा गया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि कुछ महीने पहले तक पूरा परिवार संयुक्त रूप से रहता था। उस समय ताऊ का व्यवहार अच्छा था, लेकिन बंटवारे के बाद दोनों के रिश्तों में खटास आ गई थी।

नशे की लत और पैसों के विवाद में की हत्या

पूछताछ में चेतन ने बताया कि वह ब्राउन शुगर का आदी है। डीसीपी सुनील कुमार मेहता के अनुसार, आरोपी ने नशे और कर्ज चुकाने के लिए ताऊ से रुपए मांगे थे, लेकिन उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया। इसी बात से नाराज होकर उसने रात होने का इंतजार किया। रात करीब 2:30 बजे वह रसोई से चाकू लाया और सो रहे ताऊ पर ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने मृतक की पैंट की जेब से अलमारी की चाबी निकालकर नकदी तलाश की, लेकिन पैसे नहीं मिले। शक से बचने के लिए उसने जेवरात नहीं छुए। पुलिस को गुमराह करने के इरादे से उसने अपने खून से सने हाथ पड़ोसी की दीवार पर लगाए और ऐसा दिखाने की कोशिश की कि आरोपी पड़ोसी के घर की ओर भागा है।

सुबह सामान्य होने का किया नाटक

वारदात के बाद आरोपी ने खून से सने कपड़े फेंक दिए, हाथ-पैर धोए और सो गया। सुबह वह रोज की तरह काम पर चला गया, लेकिन चोट लगने के कारण उसे वापस घर भेज दिया गया। घर लौटने के बाद वह ताऊ के कमरे में पहुंचा और जोर-जोर से चिल्लाकर परिजन व आसपास के लोगों को बुला लिया। इसके बाद लोगों की मदद से कमल कुमावत को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, जिसके बाद पूरे हत्याकांड का खुलासा हो गया।

पीथमपुर में एक दिन में अपहरण के 6 मामले दर्ज

पीथमपुर ● संवाददाता

पीथमपुर अनुभाग में गुमशुदगी के मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह मामलों में अपहरण के प्रकरण दर्ज किए हैं। गुमशुदा लोगों का लंबे समय तक कोई सुराग नहीं मिलने और जांच के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(3) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीथमपुर थाने में चार मामले दर्ज

थाना पीथमपुर क्षेत्र में चार अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें इंडोरामा स्थित वर्मा कॉम्प्लेक्स, जवरा कॉलोनी, सेक्टर-03 स्थित श्रीनाथ कंपनी क्षेत्र और सतनाला गणेश मंदिर के पास से लापता हुए लोगों के मामले शामिल हैं। सभी मामलों की जांच अलग-अलग पुलिस अधिकारियों को सौंपी गई है। सेक्टर-01 थाना क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी दीपक यादव की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, 14 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलग-अलग टीमें कर रहीं तलाश

सागौर थाना क्षेत्र के ग्राम मुण्डाणा से 17 मई से लापता व्यक्ति का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। जांच के दौरान अपहरण की आशंका के चलते पुलिस ने इस मामले में भी अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी मामलों में लापता लोगों की सुरक्षित बरामदगी और अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए अलग-अलग टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भैरव घाट पर ट्रैवलर ने बाइक को रौंदा

महू ● संवाददाता

इंदौर-इच्छापुर मार्ग स्थित सिमरोल थाना क्षेत्र के भैरव घाट पर सोमवार को तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर मारने के बाद टेंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और घटनास्थल के पास भारी भीड़ जुट गई।

इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर लगा लंबा जाम

हादसे की सूचना मिलते ही सिमरोल थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारण

इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

मृतकों की पहचान में जुटी पुलिस

थाना प्रभारी कुलदीप खत्री के मुताबिक मृतकों की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और क्रेन की मदद से खाई में गिरे वाहन को बाहर निकालकर यातायात बहाल कराया जा रहा है।

8,534 लोगों ने बनाई मानव श्रृंखला, इंदौर पुलिस ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

नशे के खिलाफ इंदौर ने बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत सोमवार को शहर में 8,534 लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान इंदौर पुलिस ने अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले नशे के खिलाफ 7,100 लोगों की मानव श्रृंखला का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंदौर पुलिस के नाम दर्ज था।

कार्यक्रम में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, खिलाड़ी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी ने एक साथ मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

पुलिस कमिश्नर ने दिलाई शपथ

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने मौजूद लोगों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई। सभी ने नशामुक्त इंदौर और नशामुक्त भारत के निर्माण में सहयोग का संकल्प लिया।

अभियान लगातार जारी

इंदौर पुलिस का 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, बस्तियों और सामाजिक संगठनों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहा है। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर नशामुक्त समाज तैयार करना है।

एक आयोजन में दो रिकॉर्ड का दावा

इंदौर पुलिस के मुताबिक, मानव श्रृंखला में 8,534 लोगों की भागीदारी के अलावा पुलिस कमिश्नर द्वारा एक साथ इतने लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने के आधार पर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए दावा किया गया है। इस तरह एक ही आयोजन में दो विश्व रिकॉर्ड दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

50 लाख की ड्रग्स तस्करी में फरार बाबू सिंधी गिरफ्तार

केस में छह आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके

संवाददाता ● मंदसौर

मंदसौर पुलिस ने 50 लाख रुपए से अधिक की एमडी ड्रग्स और अफीम तस्करी मामले में फरार चल रहे आरोपी परमानंद उर्फ बाबू सिंधी (53) को सोमवार को गिरफ्तार किया है। बाबू सिंधी कोलगर गली, जनकुपुरा का रहने वाला है। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में पकड़े गए आरोपियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

यह मामला 7 मई 2026 को सामने आया था, जब मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन के पास से इमरान उर्फ बंटी पठान निवासी दावतखेड़ी को पकड़ा गया था। उसके कब्जे से लगभग 500 ग्राम एमडी ड्रग्स और 500 ग्राम अफीम बरामद हुई थी, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए से अधिक आंकी गई थी। आरोपी इमरान ने मादक पदार्थों को पुलिस से बचने के लिए पानी की विद्युत मोटर के भीतर छिपा रखा था। पुलिस ने जांच के दौरान मोटर खोलकर ड्रग्स बरामद की। मौके से स्कूटी, मोबाइल फोन और विद्युत मोटर भी जब्त की गई थी। मुख्य आरोपी इमरान से पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के नाम सामने आए थे। इसी आधार पर पुलिस पहले ही महावीर चौहान, सादिक गढ़वी, सलमान, शाकिर उर्फ चेला और असलम हुसैन को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बाबू सिंधी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे इस नेटवर्क और अन्य संबंधित मामलों के बारे में गहन पूछताछ करेगी। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार कार्रवाई की जा रही है।

खंडवा में 4 आदतन अपराधी जिला बदर:एक साल तक 7 जिलों की सीमा में नहीं कर सकेंगे प्रवेश

खंडवा। खंडवा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने 4 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की है। आदेश के अनुसार चारों आरोपियों को एक वर्ष के लिए खंडवा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों बुरहानपुर, खरगोन, देवास, बैतूल, हरदा और इंदौर की सीमा में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। प्रशासन का कहना है कि आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न गंभीर अपराध दर्ज होने के कारण उनकी गतिविधियां कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन रही थीं। सूरजकुंड स्थित गायत्री मंदिर के पास रहने वाले राहुल पिता सुपा रोकड़े को एक वर्ष के लिए जिला बदर किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में चोरी, घर में घुसकर चोरी, मारपीट, जान से मारने की धमकी, लूट, डकैती जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। संजय नगर निवासी बादल पिता दरबार बंजारा को भी एक वर्ष के लिए जिला बदर किया गया है। उसके खिलाफ मारपीट, अवैध वसूली, धमकी, घर में घुसकर हमला और शांति भंग से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड में भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 323, 341, 327, 506, 452 सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। आशापुर, हरसूद निवासी जाबाज उर्फ मोनू पिता पीरु मंसूरी के खिलाफ भी जिला बदर का आदेश जारी किया गया है। पुलिस के अनुसार उसके विरुद्ध मारपीट, महिला से संबंधित अपराध, धमकी और अन्य आपराधिक मामलों में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज हैं। इन्हीं मामलों को देखते हुए प्रशासन ने उसके जिले में प्रवेश पर एक वर्ष तक रोक लगा दी है। बलवाड़ा, थाना पिपलोद निवासी करण पिता तिलक भील को भी एक वर्ष के लिए जिला बदर किया गया है। उसके खिलाफ मारपीट, धमकी, महिला से संबंधित अपराध, घर में घुसकर हमला और अन्य गंभीर मामलों में कई प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने उसके खिलाफ भी जिला बदर का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार चारों आरोपी एक वर्ष की अवधि तक खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, देवास, बैतूल, हरदा और इंदौर जिले की सीमा में बिना सक्षम अनुमति प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

झाबुआ के रायपुरिया बायपास पुल का निर्माण शुरू

कलेक्टर के हस्तक्षेप से शुरू हुआ काम; ग्रामीणों को मिलेगी जाम से राहत

संवाददाता ● झाबुआ

झाबुआ के रायपुरिया बायपास मार्ग पर पिछले छह महीने से बंद पड़ा पुल का निर्माण कार्य फिर शुरू हो गया है। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के हस्तक्षेप और निर्देशों के बाद निर्माण एजेंसी ने काम शुरू कराया। इससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

जनसुनवाई में शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन

बायपास का काम ठप होने से भारी वाहनों का दबाव रायपुरिया के मुख्य मार्ग पर बढ़ गया था, जिससे हर 10-15 मिनट में जाम लग रहा था। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर समस्या के जल्द हल की मांग की थी।

अफसरों ने किया सीमांकन, मुआवजे का प्रकरण तैयार

कलेक्टर के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क का सीमांकन किया। सड़क निर्माण की जद में आ रहे किसानों की भूमि के मुआवजे के लिए प्रकरण तैयार कर लिए गए हैं, जिससे निर्माण में आ रही अड़चन दूर हो गई है।

पुल बनते ही बायपास से गुजरेंगे भारी वाहन

निर्माण एजेंसी के अनुसार पुल का काम जल्द पूरा कर लिया जाएगा। पुल चालू होते ही भारी वाहनों की आवाजाही पुनः बायपास से शुरू हो जाएगी, जिससे मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

संक्षेप

वनकर्मियों पर आदिवासियों के साथ मारपीट का आरोप

दमोह। जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के कनोरा गांव के आदिवासियों ने सोमवार शाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित आवेदनों के शीघ्र निराकरण की मांग की। साथ ही वन विभाग पर बेदखली के नाम पर मारपीट करने का आरोप लगाया। एकता परिषद के नेतृत्व में पहुंचे आदिवासियों ने बताया कि 18 जुलाई को वन विभाग की टीम ने कनोरा गांव में झोपड़ियां तोड़ दीं और पुरुष व महिला ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इसके साथ ही वन कर्मियों पर खेती का सामान जब्त करने का भी आरोप लगाया गया। एकता परिषद के समन्वयक सुजात खान ने बताया कि ग्रामीणों ने वन अधिकार कानून के तहत दावे प्रस्तुत किए हैं।

अमृत योजना के लिए खोदी गई सड़क पर पलटा ई-रिक्शा

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में अमृत योजना के लिए खोदी गई सड़क का गड्ढा एक परिवार के लिए जानलेवा साबित हुआ। घर के लिए नया दीवान खरीदकर लौट रहे 55 वर्षीय अनोद भटनागर की ई-रिक्शा पलटने से मौत हो गई। हादसे का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ई-रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर पलटती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, जनकगंज थाना क्षेत्र के गोल पहाड़िया स्थित श्रीराम कॉलोनी निवासी अनोद भटनागर रविवार शाम करीब 6:55 बजे अपने बेटे आनंद किशोर के साथ दौलतगंज से दीवान पलंग खरीदकर ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। कॉलोनी के पास अमृत योजना के तहत खोदी गई सड़क के गड्ढे में ई-रिक्शा का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया।

जिला बदर का उल्लंघन करते आरोपी गिरफ्तार

शाजापुर। लालघाटी थाना पुलिस ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजहर खान को रविवार शाम बस स्टैंड क्षेत्र से पकड़ा गया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया और वहां से जेल भेज दिया गया। उस पर पूर्व में विभिन्न थानों में पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, रविवार देर रात सूचना मिली थी कि जिला बदर आरोपी अजहर पिता मुश्ताक खान (28) निवासी ज्योतिनगर, शाजापुर बस स्टैंड क्षेत्र में घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर लालघाटी थाना पुलिस ने बस स्टैंड गड्डा क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 एवं 15 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। प्रशासन ने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए 29 दिसंबर 2025 को उसे जिला बदर किया था।

भाई बोला- बहन को तड़पाया, मारकर कुएं में डाला

पिता बोले- बेटी गर्भवती थी, खाना तक नहीं दिया

संवाददाता ● बैतूल

मध्य प्रदेश के बैतूल में शादी के महज 86 दिन बाद गर्भवती बहू की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घर के पीछे कुएं में उसका शव मिला। मायके पक्ष ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए हत्या कर शव कुएं में फेंकने की बात कही है।

बोरदेही पुलिस के मुताबिक, घटना 15 जुलाई 2026 की है। मृतका की पहचान 24 वर्षीय कुंती के रूप में हुई। उसकी शादी ग्राम लालढाना में हुई थी। जांच में दहेज प्रताड़ना के साक्ष्य मिलने पर पति, सास और ससुर को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि मौत के कारणों की जांच अभी जारी है।

20 अप्रैल को हुई थी शादी, 86 दिन में उजड़ गया घर

परिजन के मुताबिक, कोठी निवासी कुंती की शादी 20 अप्रैल 2026 को बोरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम गुबरेल निवासी अजय पिता दीना ढोबारे (30) से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था।

मृतक के पिता संतोष कालभोर ने बताया कि बेटी की शादी में 4 से 5 लाख रुपए खर्च किए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार पैसों की मांग करता था। 8 दिन पहले भी बेटी ने फोन पर प्रताड़ना की जानकारी दी थी। उनका कहना है कि बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती थी। पति और सास ने हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया।

भाई का आरोप- 5 लाख और बाइक मांगते थे

मृतक के भाई गोलू ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल पक्ष 5 लाख रुपए और बाइक की मांग कर रहा था। तीन दिन तक उसे खाना भी नहीं दिया गया था। भूखे रखकर उसकी हत्या की गई।

बहन बोली- ससुराल में मारपीट की जाती थी

बहन शांति पवार ने बताया- कुंती फोन पर अक्सर बताती थी कि ससुराल में उसके साथ लड़ाई-झगड़ा होता है। ससुराल में मारपीट की जाती थी। दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। माता-पिता ने समझाकर मामला शांत कराने की कोशिश की थी, लेकिन इसके बाद भी ससुराल वालों ने प्रताड़ित किया।

पत्नी का दीवार में सिर मारा, पीट-पीटकर मार डाला

देवास। बरोठा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जलोदिया में रविवार देर रात एक घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि छोटू भील ने अपनी 40 वर्षीय पत्नी सुनीताबाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह पूरी घटना उनके करीब आठ वर्षीय बेटे के सामने हुई। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9:30 बजे सुनीताबाई और छोटू भील के बीच पहली बार विवाद हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को समझाकर मामला शांत कराया। हालांकि, देर रात दोनों के बीच फिर से कहासुनी शुरू हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना से पहले पति-पत्नी दोनों ने शराब का सेवन किया था।

घर के पीछे उगाई छह लाख की गांजा फसल जब्त

अशोकनगर। जिले की नईसराय थाना पुलिस ने सोमवार को एक घर के पीछे उगाई गई गांजे की फसल जब्त की। मौके से 63 किलोग्राम हरा गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख 30 हजार रुपए है। इस मामले में गांजे की खेती करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम अजलेश्वर में विद्युत पावर हाउस के सामने स्थित विक्का उर्फ तुलसीराम सेन के घर के पीछे गांजे की खेती की जा रही है। सूचना मिलते ही नईसराय थाना पुलिस ने मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम जब घर के पीछे पहुंची, तो वहां 63 किलो हरा गांजा पाया गया। इसे तत्काल उखाड़कर जब्त कर लिया गया।

5 युवकों के शव रखकर ग्रामीणों ने 3 घंटे किया प्रदर्शन

जबलपुर में नेशनल हाईवे पर चक्काजाम, परिजन बोले- हादसा नहीं हत्या है

संवाददाता ● जबलपुर

जबलपुर-नरसिंहपुर बॉर्डर पर हुए सड़क हादसे के बाद सोमवार को पावला गांव में तनाव की स्थिति बन गई। हादसे में जान गंवाने वाले पांच युवकों के परिजनों और ग्रामीणों ने भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर शव रखकर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया। प्रदर्शनकारियों ने इसे सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए सुनियोजित हत्या बताया।

उनका आरोप था कि घटना के 18 घंटे बाद भी पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक का पता नहीं लगा सकी। सूचना मिलते ही सुआतला थाना पुलिस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए तथा निष्पक्ष जांच और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद ही परिजन माने और जाम समाप्त कराया गया।

घटना के 18 घंटे बाद भी नहीं मिला हाइवा

ग्रामीणों का सबसे बड़ा आरोप यह रहा कि घटना के 18 घंटे बाद भी पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक तक नहीं पहुंच सकी। इसी को लेकर परिजनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

पांच युवकों की हो चुकी है मौत

हादसे में अब तक राजेंद्र पटेल (30), वीरेंद्र लोधी (20), राजपाल लोधी (21), जयपाल लोधी (30) और नीरज लोधी (20) की मौत हो चुकी है। अन्य घायल युवकों का अस्पताल में उपचार जारी है।

तीन घंटे तक बाधित रहा हाईवे

शव रखकर किए गए प्रदर्शन के चलते भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर करीब तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया।

सुआतला थाना पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की सड़क दुर्घटना और हत्या, दोनों पहलुओं से गहन जांच की जा रही है।

विदिशा में अवैध शराब अहातों पर चला बुलडोजर

संवाददाता ● विदिशा

प्रदेश सरकार द्वारा शराब अहातों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद विदिशा शहर में अवैध रूप से संचालित हो रहे अहातों पर सोमवार को नगर पालिका का बुलडोजर चला। नगर पालिका की टीम ने सावरकर बाल विहार के पीछे हॉस्पिटल रोड स्थित शराब दुकान के आसपास से अस्थायी गुमटियों और दुकानों को हटाकर अतिक्रमण मुक्त कराया।

ये गुमटियां और दुकानें अवैध अहातों के रूप में उपयोग की जा रही थीं। यहां लोग खुलेआम बैठकर शराब पीते थे, जिससे क्षेत्र में लगातार गंदगी और असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। शराब पीने के बाद डिस्पोजल ग्लास, पानी के पाउच और अन्य कचरा सड़क किनारे फेंक दिया जाता था, जिससे स्थानीय रहवासी परेशान थे।

निरीक्षण के बाद की गई कार्रवाई

मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गेश ठाकुर के निर्देश पर पहले मौके का निरीक्षण किया गया। जांच में शिकायतें सही पाए जाने के बाद सोमवार को नगर पालिका के अतिक्रमण अमले ने कार्रवाई करते हुए इन अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी रही। अतिक्रमण प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा शराब अहातों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जा चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति गुमटियों या अन्य अस्थायी ढांचों के माध्यम से अवैध अहाता संचालित करेगा या दोबारा अतिक्रमण करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध अतिक्रमण और नियम विरुद्ध गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मऊगंज में परिवार ने कलेक्टर-एसपी से लगाई न्याय की गुहार

संवाददाता ● मऊगंज

मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कोट में एक पारिवारिक विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है। मारपीट का एक वीडियो सामने आने के बाद पीड़ित परिवार ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने कई बार शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

पीड़ित महिला रेनू तिवारी ने अपने आवेदन में बताया है कि उनके देवर प्रदीप तिवारी और अन्य लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि उन्होंने बोरवेल में लगी मोटर की केबल, रस्सी और पाइप काटकर मोटर को बोर में गिरा दिया, जिससे गांव की पेयजल व्यवस्था बाधित हो गई।

आवेदन के अनुसार, पहले लगी मोटर को लेकर भी विवाद हुआ था। प्रशासन के निर्देश पर लगभग 28,500 रुपये खर्च कर नई मोटर लगाई गई थी, लेकिन उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीड़ित पक्ष का दावा है कि उन्होंने 3 जुलाई, 14 जुलाई और 15 जुलाई 2026 को नईगढ़ी थाने में शिकायतें दर्ज कराई थीं।

सोमवार को पीड़ित महिला के पुत्र शिवम तिवारी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिवम तिवारी ने कहा कि उनके परिवार को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है और उन्हें न्याय चाहिए।

बैतूल में स्टेटस लगाने के बाद ट्रेन के आगे कूदा युवक; क्षत-विक्षत हालत में शव मिला

इंस्टा पर लिखा- बाय मेरी जान, अगले जनम में मिलेंगे

संवाददाता ● बैतूल

बैतूल में सोमवार सुबह कोसमी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर अनंत बोरखड़े (22) नाम के युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

मृतक टिकारी क्षेत्र का रहने वाला था। घटना के बाद सामने आए उसके इंस्टाग्राम स्टेटस की पुलिस जांच कर रही है। मौत से कुछ समय पहले उसने सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज पोस्ट किए थे, जिनके आधार पर पुलिस आत्महत्या के पहलू की भी जांच कर रही है।

परिजन के अनुसार, अनंत दो भाइयों में छोटा था। पिता निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड हैं, जबकि बड़ा भाई बार्बर का काम करता है। जीएच कॉलेज में पढ़ाई के साथ अनंत टाइल्स लगाने और मैकेनिक का काम करता था। परिजन ने बताया कि उसे शराब की लत थी, लेकिन उसने यह कदम किन हालात में उठाया, इसकी जानकारी नहीं है। अनंत को किसी तरह की मानसिक या आर्थिक परेशानी नहीं थी।

पहले भी कई बार आत्महत्या से जुड़े स्टेटस पोस्ट किए थे

समाजसेवी और हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने बताया कि अनंत पहले भी कई बार आत्महत्या से जुड़े स्टेटस पोस्ट कर चुका था। हालांकि हर बार वह स्टेटस लगाने के बाद घर लौट आता था। उन्होंने बताया कि सोमवार रात भी अनंत शराब के नशे में घर आया था। उसके पास बाइक थी। जगह नहीं होने के कारण उसने बाइक पाढर में खड़ी करने की बात कही और घर से निकल गया। सुबह रेलवे ट्रैक के पास उसकी बाइक खड़ी मिली, जबकि शव कुछ दूरी पर क्षत-विक्षत हालत में मिला।

इंस्टाग्राम स्टेटस में लिखा- ओके गुड बाय दोस्तों

घटना से पहले अनंत ने इंस्टाग्राम पर दो स्टेटस शेयर किए थे। पहले स्टेटस में उसने लिखा था, "ओके बाय मेरी जान। विशाल, गाड़ी कोसमी फाटक पर खड़ी है, ले जाना। ओके गुड बाय दोस्तों।" इसके बाद दूसरे स्टेटस में लिखा था, "अगले जन्म मिलेंगे।" इन पोस्ट के बाद पुलिस ने अनंत की सोशल मीडिया गतिविधियों को भी जांच में शामिल किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने ये पोस्ट किस हालत में किए थे।

संभाग के 8 जिलों में धरती आबा योजना में 292 करोड़ के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति कार्य प्रारंभ

संभागायुक्त ने शिक्षा से जुड़े सभी विभागों के साथ की समीक्षा

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े ने संभागायुक्त कार्यालय में शिक्षा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के साथ समीक्षा की। इसमें उन्होंने स्कूल शिक्षा सहित जनजाति कार्य,उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा सहित श्रम विभाग अंतर्गत संचालित आवासीय शिक्षा के संबंध में नवीन शिक्षा सत्र में पंजीकृत विद्यार्थियों सहित उन्हें सायकिल वितरण के अलावा इससे जुड़े अहम बिंदुओं पर समीक्षा की। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्रीमती शिवानी वर्मा, जनजाति कार्य विभाग उपायुक्त श्री गणेश भाभर, कौशल विकास विभाग संयुक्त संचालक निखिल सिंघल, उच्च शिक्षा विभाग अपर संचालक डॉ. किरणबाला सलूजा सहित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजाति कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि धरती आबा योजनांतर्गत शिक्षा सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति हुई है। शासन द्वारा संभाग के 8 जिलों में जनजाति जनपदों में 292 करोड़ के विकास कार्य स्वीकृत किए है। इसमें 32 कार्य पूर्ण किए गए है। जबकि शेष कार्य प्रगतिरत के साथ ही कार्य आदेश जारी करने, निविदापूर्ण व निविदाएं आमंत्रित करने की स्थिति में है। सबसे अधिक 70 कार्य धार जिले में स्वीकृत होकर14 कार्य पूर्ण हो चुके है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा 12 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने है जो सीधे रोजगार से जुड़े है। संभागायुक्त डॉ.खाड़े ने निर्देश दिए है कि इन नवीन पाठ्यक्रमों की निरंतर निगरानी करते हुए बेहतर गेस्ट फैकल्टी को आमंत्रित करते हुए विजिट एक्सपोजर के लिए भी ले जाने की रूपरेखा बनाए। इन 12 पाठ्यक्रमों में बी.कॉम इन रिटेल ऑपरेशन व लॉजिस्टिक, एचआर ऑपरेशन, इवेंट मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग एंड एडवरटाइजिंग, रियल स्टेट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट और बी.एससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी शामिल है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कौशल विकास विभाग को निर्देश दिए है कि नवीन सत्र प्रारंभ होने पर संबंधित क्षेत्र के स्कूल में विद्यार्थियों और प्राचार्यों से चर्चा करें। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने जनजाति कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा विभाग से स्कूलों व महाविद्यालयों की निगरानी संबंधी जानकारी पृथक से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। शिक्षा विभाग की डीपीसी होने से समीक्षा नहीं की जा सकीं। अब जनजाति कार्य विभाग के शेष कार्यों और शिक्षा विभाग की अलग से समीक्षा की जाएगी।

छात्रावासों का कार्य प्रारंभ हो गया

कौशल विभाग द्वारा बताया गया कि सम्भाग में 9 आईटीआई में 6 ट्रेड भवन तथा 60-60 सीटर के बालक व बालिकाओं के विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों का कार्य प्रारंभ हो गया है। जबकि खरगोन के बड़वाह में 30-30 बालक व बालिकाओं के लिए छात्रावास का निर्माण प्रारंभ किया गया हैं। इस तरह 1020 बालक-बालिकाओं की सीट के लिए छात्रावास बनना प्रारंभ हो चुके है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

इन्दौर। निर्वाचन संबंधी कार्यों निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्ति किए हैं। इस संबंध में इसी अनुक्रम में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत आदेश जारी किए गए हैं। देपालपुर के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी देपालपुर चरणजीत सिंह हुडा को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र-207 इन्दौर-4 के लिए संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी खुड़ेल राहुल गुप्ता, विधानसभा क्षेत्र-210 राऊ के लिए संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी राऊ लोकेन्द्र सिंह सरल एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-211 सांवेर हेतु डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी सांवेर श्री हरिशंकर विश्वकर्मा को नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का दायित्व फोटो निर्वाचक नामावली, मतदाता फोटो पहचान-पत्र तैयार कराए जाने एवं मतदान केन्द्रों की जांच/संशोधन आदि तथा निर्वाचन संबंधित समस्त कार्य हेतु पूर्ण रुप से उत्तरदायी होंगे।

संक्षेप

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े का जताया आभार

इंदौर। संभागायुक्त कार्यालय एवं संभाग के अधीनस्थ जिला कार्यालयों में कार्यरत स्टेनोग्राफर वर्ग-3 के कर्मचारियों को स्टेनोग्राफर वर्ग-2 के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किए जाने के आदेश के बाद कर्मचारियों ने आज संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े से सौजन्य भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने संभागायुक्त डॉ. खाड़े का धन्यवाद देते हुए विश्वास दिलाया कि वे नई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं दक्षता के साथ निर्वहन करेंगे। उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार संभागायुक्त कार्यालय एवं अधीनस्थ जिला कार्यालयों में कार्यरत स्टेनोग्राफर वर्ग-3 के पांच कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से स्टेनोग्राफर वर्ग-2 के पद पर पदोन्नत किया गया है।

पार्षद की बस ने कार-रिक्शा को टक्कर मारी

इंदौर। धार रोड पर पार्षद भरत रघुवंशी की बस ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। बस चालक मोबाइल पर बात कर रहा था। घटना से अफरा-तफरी मच गई। दो लोगों को चोट भी आई है। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। टीआइ तिलक करोले के अनुसार घटना जवाहर टेकरी की है। भाजपा पार्षद भरत रघुवंशी की बस (एमपी 04 पीए 9555) इंदौर से झाबुआ जा रही थी। बस में सवारियां बैठी हुई थीं। बस का चालक मोबाइल पर बात कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक की लापरवाही से बस आगे चल रहे वाहनों में घुस गई। एक कार, ऑटो रिक्शा और बाइक को क्षतिग्रस्त कर डाला। अन्य वाहन भी चपेट में आते-आते बचे। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने बस को घेर लिया।

पिता बोले- ये अखिलेश, बेटी ने कहा- नहीं पहचानती

पोस्टल असिस्टेंट के पति के शव पर सस्पेंस बरकरार

इंदौर/गंजबासौदा ● संवाददाता

इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी (38) की हत्या के आरोपी पति अखिलेश सैनी (45) के शव को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। गंजबासौदा में रेलवे ट्रैक पर शव के साथ मिले आधार कार्ड और सुसाइड नोट के आधार पर पिता सीताराम सैनी और भाई चित्रेश सैनी ने इसके अखिलेश होने की पहचान की है।

वहीं, पुलिस वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर ही इसकी पुष्टि करने की बात कह रही है। उसे DNA जांच की रिपोर्ट का इंतजार है। ये रिपोर्ट आने में करीब 10 दिन लग सकते हैं। दरअसल, 11 जुलाई को उर्मिला की हत्या के बाद से ही अखिलेश गायब था। शनिवार रात एक सिरकटा शव गंजबासौदा-पवई रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला था। पैंट की जेब से अखिलेश के दस्तावेज और सुसाइड नोट बरामद हुए हैं।

फोरेंसिक विशेषज्ञ बोले- सिर मिलना भी जरूरी

इंदौर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक विभाग अध्यक्ष डॉ. बीके सिंह ने कहा- DNA रिपोर्ट से यह तो स्पष्ट हो जाएगा कि शव किस व्यक्ति का है लेकिन मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए शव के सभी महत्वपूर्ण अंगों का परीक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिर नहीं मिलने की स्थिति में मरने या मारने के तरीके का पता लगाना मुश्किल होगा। ऐसे मामलों में सिर पर मौजूद चोटें, घाव, निशान, खून और अन्य बिंदु फोरेंसिक जांच का अहम हिस्सा होते हैं।

नाभि में सूजन और सफेद दाग से पहचाना

सोमवार सुबह पुलिस ने अखिलेश के पिता सीताराम सैनी को बुलाया, जिन्होंने शव की पहचान अपने बेटे के रूप में की। सीताराम कृषि विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि अखिलेश की नाभि में पिछले तीन महीने से बीमारी के कारण सूजन थी, जिससे वह बाहर आ गई थी। शरीर पर सफेद दाग भी थे, इनके आधार पर ही उन्होंने अपने बेटे की पहचान की। पोस्टमार्टम के बाद शव उनको सौंप दिया गया। अंतिम संस्कार भोपाल के टीला जमालपुरा में किया जाएगा।

बेटी ने पहचानने से किया इनकार

अखिलेश की 15 वर्षीय बेटी प्रेक्षा ने केवल धड़ देखकर शव को अपने पिता का मानने से इनकार कर दिया। पुलिस ने उसे आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों की जानकारी दी, लेकिन उसने कहा कि सिर नहीं होने की स्थिति में वह शिनाख्त नहीं कर सकती। प्रेक्षा अपनी मां उर्मिला की हत्या के बाद लगातार आरोपी पिता की गिरफ्तारी की मांग करती रही थी। उसने पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे थे। कहा था कि पिता को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अखिलेश-उर्मिला का 7 वर्षीय बेटा अव्यक्त उर्फ प्रायु फिलहाल अपने नाना-नानी के साथ खंडवा में रह रहा है। परिवार ने उसे अभी तक पिता के शव मिलने की जानकारी नहीं दी है। परिजन के मुताबिक, वह अब भी मां उर्मिला की हत्या के सदमे से पूरी तरह उबर नहीं पाया है। अक्सर उस घटना को याद कर डर जाता है।

शव के पास मिले तीन सुसाइड नोट

सूत्रों के अनुसार, शव के पास से तीन सुसाइड नोट मिले हैं। पहला सुसाइड नोट सीताराम सैनी के नाम लिखा गया था, जिसमें बच्चों का ध्यान रखने और अपनी चिता को बेटे से मुखाग्नि दिलवाने की बात थी। दूसरा सुसाइड नोट अव्यक्त उर्फ प्रायु के नाम था, जिसमें उसे दादा-दादी के साथ रहने को कहा गया था। तीसरा सुसाइड नोट पुलिस के नाम लिखा गया था। इसमें अखिलेश और उर्मिला के बीच चल रहे विवाद का जिक्र करते हुए कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

बेटे से मुखाग्नि दिलाने की इच्छा जताई

शव की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा है कि चिता को मुखाग्नि प्रायु ही दे, तभी अखिलेश की आत्मा को शांति मिलेगी। नोट में पूरे घटनाक्रम के लिए सिवनी मालवा निवासी एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया गया है। सुसाइड नोट में किए गए सभी दावों की जांच कर रहे हैं।

कई बड़े सवाल अब भी अनसुलझे

संयोगितागंज थाना प्रभारी केपी यादव ने कहा- गंजबासौदा पुलिस से अभी केस डायरी नहीं मिली है। इसके आने के बाद ही सुसाइड नोट और अन्य तथ्यों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि फरार होने के बाद अखिलेश आठ दिन तक कहां रहा? क्या रेलवे ट्रैक पर मिला धड़ वास्तव में अखिलेश सैनी का ही है? यदि हां तो उसकी मौत आत्महत्या, हादसा या किस अन्य परिस्थिति में हुई? पुलिस के अनुसार, जिस तरह अखिलेश ने पत्नी उर्मिला की हत्या के बाद नहाकर कपड़े बदले, माथे पर टीका लगाया और सामान्य तरीके से बच्चों के स्कूल पहुंचा, उससे उसके व्यवहार को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं। कुछ परिचित उसे असामान्य या सनकी स्वभाव का बता रहे हैं, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अखिलेश अपने दोनों मोबाइल फोन, स्कूटी और एटीएम कार्ड पीछे छोड़कर गया था। वह बच्चों के स्कूल से ऐसे रास्ते से निकला, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे।

इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस पड़ताल कर रही है कि कहीं उसने जांच की दिशा भटकाने के लिए कोई सुनियोजित कदम तो नहीं उठाया।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड : हाई कोर्ट में उठे नए सवाल

टंकी में गोलियां डालने के आरोप की जांच की मांग

इंदौर ● संवाददाता

भागीरथपुरा दूषित पानी हादसे में 36 लोगों की मौत के मामले में सोमवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में सुनवाई हुई। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और आलोक अवस्थी की डबल बेंच के समक्ष पेयजल गुणवत्ता और जल प्रदूषण से जुड़ी जनहित याचिका पर बहस हुई, जिसमें याचिकाकर्ता की ओर से नए तथ्यों को रिकॉर्ड पर लेने की मांग की गई।

याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट अजय बागडिया और सैली पुरंदरे ने दो अंतरिम आवेदन प्रस्तुत किए। इनमें दावा किया गया कि भागीरथपुरा क्षेत्र को जलापूर्ति करने वाली ओवरहेड टंकी में कथित रूप से पोटेशियम क्लोराइड की गोलियां डाले जाने की जानकारी सामने आई है।

इस संबंध में पुलिस जांच के निर्देश देने का अनुरोध किया गया। साथ ही क्षेत्र के निवासियों के वीडियो रिकॉर्डिंग वाले पेन ड्राइव को भी साक्ष्य के रूप में रिकॉर्ड पर लेने की मांग की गई।

जल वितरण प्रणाली पर उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने तर्क दिया कि उपलब्ध तथ्यों से संकेत मिलते हैं कि जल प्रदूषण का स्रोत मुख्य जलापूर्ति व्यवस्था नहीं, बल्कि अंतिम वितरण तंत्र हो सकता है। एडवोकेट बागडिया ने कहा कि प्रदूषण की घटना से पहले संबंधित ओवरहेड टंकी में संदिग्ध सामग्री डाले जाने की जानकारी मिली है, इसलिए वहां तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दोनों अंतरिम आवेदनों पर फिलहाल कोई आदेश पारित नहीं किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई की तारीख भी निर्धारित नहीं की गई है। कोर्ट अब जांच आयोग की प्रक्रिया और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की दिशा तय करेगा।

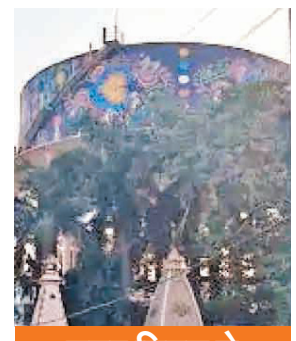

नगर निगम ने किया विरोध

इंदौर नगर निगम की ओर से एडवोकेट ऋषि तिवारी ने आवेदन का विरोध करते हुए कहा कि लगाए गए आरोप पर्याप्त साक्ष्यों से समर्थित नहीं हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट पहले ही रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग गठित कर चुका है, जिसे इस पूरे मामले के सभी पहलुओं की जांच का दायित्व सौंपा गया है। ऐसे में नए आरोपों की जांच भी आयोग के समक्ष कराई जा सकती है।

परीक्षा में 40 प्रतिशत ही रही उपस्थिति

इंदौर। संघ लोक सेवा आयोग ने रविवार को सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा 2026 का आयोजन किया। इंदौर में बने छह परीक्षा केंद्रों पर कुल 2398 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। दोनों सत्रों को मिलाकर करीब 40 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। पहला सत्र सुबह 10 से 12 बजे तक चला। इसमें सामान्य योग्यता एवं बुद्धिमत्ता का 250 अंकों का आब्जेक्टिव पेपर हुआ। इसमें सामान्य मानसिक क्षमता, सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनाएं, भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था और भारत व विश्व के भूगोल से प्रश्न पूछे गए। पहले सत्र में लगभग 42 प्रतिशत उपस्थिति रही। दूसरा सत्र दोपहर दो से शाम पांच बजे तक हुआ। इसमें सामान्य अध्ययन, निबंध और बोध का वर्णनात्मक पेपर लिया गया।

आयुष चिकित्सकों ने एआई टूल्स की बारीकियों को जाना

इंदौर ● संवाददाता

कलेक्टर कार्यालय स्थित ई-दक्ष केंद्र में सोमवार को कर्मयोगी कर्त्तव्य कार्यक्रम एवं एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस में आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारियों, सीएएमओ एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधुनिक एआई टूल्स तथा उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को कार्यालयीन कार्य संस्कृति, स्वयं की क्षमताओं की पहचान, टीमवर्क, प्रभावी संवाद तथा कार्यस्थल पर बेहतर प्रदर्शन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न गतिविधियों एवं समूह चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा एक-दूसरे के विचारों से सीखने का अवसर प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल द्वारा तैयार किए गए मॉड्यूल के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। अकादमी के निर्देशानुसार इंदौर जिले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चरणबद्ध रूप से इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक अतुल कुमार पाण्डेय एवं प्रशिक्षक सुश्री जागृति चौहान ने किया।

बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

आयुष्मान भारत योजना में मप्र को राष्ट्रीय सम्मान

इंदौर ● संवाददाता

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को "बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेट– हाइयेस्ट प्री-ऑथोराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन" श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान योजना के अंतर्गत बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया के प्रभावी, पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के बड़े राज्यों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहितकारी कार्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम, जिला अधिकारियों, चिकित्सालयों और योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन मेंआयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बहुमत की सरकार जनता से डरी?

संसद का मानसून सत्र शुरू हुआ। इसके साथ ही दिल्ली की राजधानी में भयंकर बवाल देखने को मिला। जंतर मंतर पर बैठे आंदोलनकारियों ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च करने का आह्वान किया था। सरकार ने पुलिस भेज 18 तारीख को आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को धरना स्थल से जबरिया उठवा लिया था। जंतर मंतर से लेकर संसद भवन तक पुलिस ने बड़ी मात्रा में बैरिकेट्स लगाकर कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था कर राजधानी को एक तरह से छावनी बना दिया। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, दिल्ली पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पत्थर और क्षतिग्रस्त गाड़ियों को संसद मार्ग में रखा गया। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। आंदोलनकारियों को लगा सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन को बदनाम करने के लिए साजिश रच रही है, इससे युवा और भी भड़क गए। 20 जुलाई को सुबह आंदोलनकारी उनके माता-पिता तथा बड़ी मात्रा में आंदोलन में शामिल होने के लिए जो लोग जंतर मंतर और संसद मार्ग की ओर पहुंच रहे थे, उनको पुलिस ने जगह-जगह पर रोका, कई मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। इसके बाद भी आंदोलन की उग्रता में कोई कमी देखने को नहीं मिली। पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए आंदोलनकारी भड़क गए। वह बेरीकेट्स को हटाकर संसद मार्ग की ओर जबरिया बढ़ने लगे। पुलिस को उन्हें रोकने के लिए काफी प्रयास करना पड़ा, इसके बाद भी जब प्रदर्शनकारी रुकने के लिए तैयार नहीं हुए, तो पुलिस ने आंदोलनकारी को गिरफ्तार करने, आंसू गैस के गोले छोड़ने तथा लाठी चार्ज करके आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। संसद भवन में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस सबके बावजूद प्रदर्शनकारी रेल भवन तक पहुंच गए। पुलिस आंदोलनकारियों को रोकने में सफल नहीं हो पाई। कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था होने के कारण बार-बार सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ना आंदोलनकारियों के लिए एक बड़ी चुनौती था। इस सबके बावजूद भी जिस तरह से वह संसद भवन पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। वह उनकी नाराजगी को प्रकट करने के लिए पर्याप्त है।

सरकार बार-बार दावा करती है, उसे 140 करोड़ लोगों का समर्थन प्राप्त है। वह बहुमत की चुनी हुई सरकार है। वह जनता के लिए काम कर रही है। प्रदर्शन स्थल पर आज जिस तरह से पुलिस और प्रशासन की कलई खुली है, उसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं देश भर में होने लगी हैं। पुलिस ने पत्थर क्यों एकत्रित कराए? क्षतिग्रस्त गाड़ियों को क्यों मार्ग पर लाकर खड़ा किया? जिस तरह से सोशल मीडिया में युवा मोबाइल के जरिए पल-पल के वीडियो बनाकर लाइव प्रसारण कर रहे थे। उसने पुलिस प्रशासन की परेशानियों को बढ़ा दिया है। इस प्रदर्शन की उग्रता को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की कोशिश की। जिस तरह का गुस्सा युवाओं में देखने को मिल रहा था, जैसे उन्हें अपनी जान की परवाह ना हो। उसके बाद यह कहा जा सकता है की सरकार को आंदोलनकारियों से बात करनी ही होगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा पर युवा अड़े हुए हैं। जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को गंभीरता से इस आंदोलन के संबंध में विचार करना होगा। नीट एग्जाम का जो परिणाम अभी आया है, उसमें भी गड़बड़ी होने से युवा गुस्से में है। युवाओं में आक्रोश लंबे समय से दबा हुआ था, वह आक्रोश अब खुलकर सड़कों पर आ गया है। पिछले एक सप्ताह में जंतर मंतर में जो भी लोग पहुंचे, उन्होंने खुलकर अपनी बात कही है। अब हर समस्या पर युवा और जनता बात करने लगी है। जिन लोगों के मन में डर और भय था, वह भी अब मुखर होकर बोल रहे हैं। इससे सरकार और पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। सरकार को लग रहा था, वह आंदोलन को किसी तरीके से मैनेज कर लेगी। लेकिन यह आंदोलन अब भीड़ तंत्र के पास चला गया है। भीड़ किसी से नियंत्रित नहीं है। न्यायपालिका पर भी अब लोगों को विश्वास नहीं रहा। जंतर मंतर में कहा जा रहा था, सरकार जब-जब संकट में आती है, पुलिस को आगे करती है। अब इसमें एक जुमला और जुड़ गया है। कहा गया है, कि जब-जब सरकार पर संकट आता है, न्यायपालिका मदद के लिए आगे आती है। संसद में विपक्ष ने यह मामला कई बार उठाने की कोशिश की। आसंदी ने बिना बात को सुने बार-बार संसद के सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी। इस मामले में यही कहा जा सकता है, जब तक लोग नियम-कानून को मानते है, तभी तक कानून का राज होता है। भीड़ के ऊपर कोई कानून और नियम प्रभावी नहीं होते है। सरकार बार-बार दम भरती है उसे 140 करोड़ लोगों का समर्थन प्राप्त है।

भारत ने अंतरिक्ष में रचा नया इतिहास

लेखक- कांतिलाल मांडोत

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक और ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है, जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं, बल्कि नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और वैज्ञानिक क्षमता की उड़ान है। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल सरकारी संस्थानों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र भी अंतरिक्ष विज्ञान जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल करने की क्षमता रखता है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब पूरी दुनिया भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और तेजी से बढ़ती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पर नजर रखे हुए है। विक्रम-1 मिशन की सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि इसे तैयार करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष रही। लगभग एक हजार युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों ने वर्षों तक अथक परिश्रम कर इस सपने को साकार किया। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं बल्कि देश के युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और नवाचार की शक्ति का प्रमाण है। जिस युवा पीढ़ी को कभी केवल रोजगार तलाशने वाली पीढ़ी माना जाता था, वही आज रोजगार देने वाली कंपनियां स्थापित कर विश्वस्तरीय तकनीक विकसित कर रही है। यह भारत के बदलते स्वरूप और नई सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है।

विक्रम-1 मिशन की सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि इसे तैयार करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष रही। लगभग एक हजार युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों ने वर्षों तक अथक परिश्रम कर इस सपने को साकार किया। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं बल्कि देश के युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और नवाचार की शक्ति का प्रमाण है।

हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के दो पूर्व वैज्ञानिकों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने एक ऐसा सपना देखा, जिसे पूरा करना आसान नहीं था। सीमित संसाधनों, कठिन तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने अपने साथ युवा वैज्ञानिकों की टीम तैयार की और आठ वर्षों की निरंतर मेहनत के बाद भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंचाने में सफलता प्राप्त की। यह कहानी केवल एक स्टार्टअप की सफलता नहीं बल्कि नए भारत की उद्यमशीलता, आत्मविश्वास और नवाचार की कहानी है।

मिशन आगमन के तहत विक्रम-1 ने उड़ान भरने के बाद मात्र 15 मिनट 46 सेकंड में अपने सभी छह पेलोड को पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर ऊपर निम्न पृथ्वी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। यह मिशन तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था क्योंकि किसी भी निजी कंपनी के लिए पहली बार ऑर्बिटल लॉन्च करना बड़ी चुनौती माना जाता है। लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने इसे सफल बनाकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल अंतरिक्ष मिशनों में भागीदार नहीं बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।

विक्रम-1 अत्याधुनिक तकनीक से लैस रॉकेट है। इसका मुख्य ढांचा हल्के लेकिन अत्यंत मजबूत कार्बन कंपोजिट से तैयार किया गया है जिससे इसका वजन कम और क्षमता अधिक बनी रहती है। इसके ऊपरी चरण में पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित त्रि-आयामी मुद्रित द्रव इंजन का उपयोग किया गया है। यह तकनीक निर्माण समय और लागत दोनों को कम करती है तथा भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को अधिक किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने की इसकी क्षमता भारत के लिए अंतरिक्ष व्यवसाय के नए अवसर खोलती है।

इस मिशन के साथ भेजे गए छह पेलोड भी भारत की वैज्ञानिक सोच और नवाचार का परिचय देते हैं। इनमें अंतरिक्ष में रोबोटिक तकनीक का परीक्षण करने वाला उपकरण, भविष्य के उपग्रहों के लिए नई प्रणालियों का परीक्षण करने वाला क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन हेतु परीक्षण उपग्रह, उपग्रह पृथक्करण प्रणाली की जांच करने वाला यंत्र, स्वर्ण और हीरों से निर्मित विशेष अंतरिक्ष कला तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तलिखित संदेश शामिल था। इन पेलोड ने यह दर्शाया कि भारत विज्ञान के साथ संस्कृति, नवाचार और रचनात्मकता का भी सुंदर समन्वय कर रहा है।

इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहां निजी कंपनियां स्वयं ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण करने में सक्षम हैं। अब तक यह उपलब्धि मुख्य रूप से अमेरिका और चीन जैसे देशों के पास थी। भारत का इस सूची में शामिल होना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन की सफलता पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए नए युग की शुरुआत है। उन्होंने वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में और भी बड़े लक्ष्य हासिल करेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी इसे भारत की बढ़ती स्पेस इकोनॉमी और वैज्ञानिक क्षमता का महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि सरकार निजी क्षेत्र और वैज्ञानिक नवाचार को लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र केवल वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं रहा। यह देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, रोजगार, रक्षा, संचार, कृषि, मौसम पूर्वानुमान और आपदा प्रबंधन जैसे अनेक क्षेत्रों की आधारशिला बन चुका है। निजी कंपनियों की भागीदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, नई तकनीकों का विकास होगा, निवेश आकर्षित होगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और देश वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में मजबूत हिस्सेदारी प्राप्त कर सकेगा।

इस उपलब्धि का सबसे प्रेरणादायक पक्ष यह है कि इसे युवा भारत ने संभव बनाया है। औसतन 28 वर्ष की आयु वाले वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर, विश्वास और सही दिशा मिलने पर भारतीय युवा किसी भी चुनौती को सफलता में बदल सकते हैं। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और विज्ञान, अनुसंधान तथा नवाचार के प्रति युवाओं का आकर्षण और बढ़ाएगी। देश के लाखों विद्यार्थी अब अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सपना नहीं बल्कि अपने भविष्य के रूप में देख सकेंगे।

भारत पिछले कुछ वर्षों में चंद्रयान, आदित्य-एल1, गगनयान की तैयारी, छोटे उपग्रह प्रक्षेपण और अब निजी ऑर्बिटल रॉकेट जैसी उपलब्धियों के माध्यम से लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत विकास के पदचिन्हों पर उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हो रही ये उपलब्धियां केवल देश की प्रतिष्ठा नहीं बढ़ा रहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी मजबूत कर रही हैं।

आज विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं। वैश्विक निवेशक भारतीय स्टार्टअप्स पर भरोसा जता रहे हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियां भारत के साथ साझेदारी करना चाहती हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी देशों की श्रेणी में पहुंच रहा है। विक्रम-1 की सफलता ने यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचा दिया है कि भारत केवल भविष्य की संभावनाओं वाला देश नहीं, बल्कि भविष्य का नेतृत्व करने वाला देश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुका है।

विक्रम-1 की उड़ान वास्तव में नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर विज्ञान के आकाश में अपनी अलग पहचान बनाई। एक हजार युवा वैज्ञानिकों की वर्षों की तपस्या ने यह सिद्ध कर दिया कि जब प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प एक साथ चलते हैं तो इतिहास बनता है। आने वाले वर्षों में भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में और भी अनेक कीर्तिमान स्थापित करेगा तथा विश्व मंच पर अपनी वैज्ञानिक शक्ति का परचम और अधिक ऊंचा लहराएगा। यही विकसित भारत की दिशा है, यही नए भारत की पहचान है और यही उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत है जिसकी ओर पूरा राष्ट्र आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

लेखक - योगेश कुमार गोयल

भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं।

पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है।

रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है।

भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है।

रथ यात्रा से जुड़े कई पौराणिक प्रसंग भी हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध स्कंद पुराण में वर्णित कथा है। इसके अनुसार, एक दिन भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका शहर घूमने की इच्छा प्रकट की। तब श्रीकृष्ण और बलराम उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन कराने ले गए। यही प्रसंग पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के रूप में जीवंत होता है, जहां भगवान अपनी बहन को साथ लेकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। इस यात्रा के हर पड़ाव पर धार्मिक रस्में होती हैं, जैसे कि हेरा पंचमी, जब देवी लक्ष्मी क्रोधित होकर भगवान के देर से लौटने पर मंदिर के बाहर प्रतीक्षारत रहती हैं। इसके बाद बहुड़ा यात्रा होती है, जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर से वापस अपने मुख्य मंदिर आते हैं। 24 जुलाई को वापसी के बाद उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और सुनाबेसा रस्म के अंतर्गत उन्हें स्वर्णाभूषणों से सजाया जाएगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरी में हर साल लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु आते हैं, जो इस भव्य आयोजन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति की गहराई को अनुभव करते हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का एक जीवंत उदाहरण है, जहां धर्म, संस्कृति और पर्यटन एक साथ राष्ट्र के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करते हैं।

आज के डिजिटल युग में रथ यात्रा की पहुंच और भी व्यापक हो गई है। विभिन्न टीवी चैनलों, यूट्यूब, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सरकारी पोर्टल्स पर इस यात्रा का सीधा प्रसारण किया जाता है, जिससे देश और विदेश के करोड़ों लोग इसे अपने घर बैठे अनुभव कर सकते हैं। ओडिशा सरकार और भारत सरकार इस अवसर पर व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, जिसमें सुरक्षा, चिकित्सा, जल आपूर्ति, यातायात नियंत्रण और आपदा प्रबंधन तक की तैयारियां शामिल होती हैं। हजारों पुलिसकर्मी, डॉक्टर, वॉलंटियर्स और सेवक इस आयोजन को निर्बाध रूप से संपन्न कराने में दिन-रात लगे रहते हैं। यह आयोजन जहां एक ओर आस्था का प्रतीक है, वहीं यह प्रशासनिक समन्वय और जन-सहभागिता का भी उत्कृष्ट उदाहरण है।

रथ यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष है इसकी सामाजिक और आर्थिक भूमिका। इस यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त बल मिलता है। होटल, लॉज, रेस्तरां, हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान और लोक कला से जुड़े व्यवसाय इस अवसर पर खूब फलते-फूलते हैं। पुरी का 'पटकमाल' (महाप्रसाद), स्थानीय शिल्पकारों द्वारा बनाए गए रथ मॉडल्स, पारंपरिक भजन और कीर्तन की प्रस्तुतियां भी इस यात्रा को एक सांस्कृतिक महोत्सव में बदल देती हैं। यह केवल धर्म का उत्सव नहीं, लोकजीवन का उत्सव बन जाता है। कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक उत्सव है बल्कि भारतीय संस्कृति, समर्पण, समानता और सामाजिक एकता की ऐसी गाथा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाती है कि जब हम समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हैं तो स्वयं ईश्वर हमारे रथ में सवार होकर हमें मार्ग दिखाने आते हैं।

जय जगन्नाथ!

अदा शर्मा गजरा से मराठी सिनेमा में रखेगी कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म गजरा से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। यह कदम उनके करियर में एक नया आयाम जोड़ेगा और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और भी सशक्त करेगा। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने उन्हें एक खास और दूरदर्शी सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। यह सलाह उनके अभिनय यात्रा का मार्गदर्शक बनी है। अभिनेत्री ने अपने पिता द्वारा दी गई उस अनमोल सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। इस सलाह ने अदा को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के किरदारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका मिला। अदा शर्मा ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन एस/ओ सत्यमूर्ति (2015) और क्षनम (2016) जैसी सफल फिल्मों से उन्होंने साउथ सिनेमा में एक सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम मजबूती से स्थापित किया। उनकी अभिनय क्षमता ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया। जब अभिनेत्री से पूछा कि अगर गजरा सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने स्पष्ट किया कि वे अपने आप को एक पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं। उनका मानना है कि कला की कोई भाषा या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उन्होंने कहा, द केरला स्टोरी एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म कमांडो में मैंने एक तेलुगु लडक़ी का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं। यह बयान उनकी अभिनय के प्रति समर्पण और भाषाओं की सीमाओं को तोडऩे की उनकी इच्छा को दर्शाता है। उनकी आगामी मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

निमरत कौर जीवन के व्यस्त पलों का उठा रही आनंद, वीडियो शेयर

हाल ही में इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री निमरत कौर ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने पेशेवर जिम्मेदारियों, यात्राओं और निजी जीवन के व्यस्त पलों का आनंद लेती हुई दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो क्लिप में निमरत को जिम में कड़ी मेहनत करते, पेशेवर फोटोशूट के लिए शानदार पोज़ देते और अपनी दिनचर्या के कई अन्य महत्वपूर्ण पलों को जीते हुए कैद किया गया है। वीडियो साझा करते हुए निमरत कौर ने लिखा, अब तक का मेरा आधा सालः जनवरी, यात्रा, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, दोहराओ। यह कैप्शन उनके साल की पहली छमाही की गतिविधियों का संक्षिप्त लेकिन सटीक वर्णन करता है। निमरत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं की झलकियां अपने प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म एयरलिफ्ट से अपनी पहचान बनाने वाली निमरत कौर ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में अपनी वापसी की है। इस पॉपुलर सीरीज में मनोज बाजपेयी ने एक मिडिल-क्लास आदमी श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया है, जो इंटेलिजेंस ऑफिसर के तौर पर दोहरी जिंदगी जीता है। इस सीजन में मनोज बाजपेयी (श्रीकांत तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), प्रियामणि (सुचित्रा), और निमरत कौर अपने पुराने और दमदार किरदारों में वापस लौटे हैं।

इसके अलावा जाने-माने अभिनेता जयदीप अहलावत ने इसमें एक खूंखार विलेन रुक्मा का शानदार किरदार निभाया है, जिससे सीरीज की रोमांचकता और बढ़ गई है। अभिनय के मोर्चे पर व्यस्तता के साथ ही निमरत जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म सेक्शन 84 में भी नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म में वह बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं। इस फिल्म में निमरत के किरदार का नाम जोया है, और इसमें डायना पेंटी, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, और अब दर्शकों को इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

मेरी जिंदगी पर फिल्म बनी तो बहुत दिलचस्प होगी : शहनाज

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। रियलिटी शो बिग बॉस 13 से घर-घर में लोकप्रिय हुईं शहनाज अब फिल्मों में भी अपनी एक अलग पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच, उन्होंने अपनी जिंदगी, प्रेम कहानी और एक कलाकार के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों को लेकर खुलकर अपने विचार साझा किए हैं। शहनाज गिल ने कहा कि अगर कभी उनकी जिंदगी पर कोई फिल्म बनाई जाती है तो उसकी कहानी बेहद दिलचस्प होगी। हालांकि, उन्होंने अभी से अपनी जिंदगी पर बनने वाली इस काल्पनिक फिल्म का नाम बताने से इनकार कर दिया। अभिनेत्री का कहना है कि जब ऐसा मौका आएगा और उनकी जिंदगी पर कोई फिल्म बनेगी, तब वह खुद अपनी कहानी का टाइटल दुनिया के सामने बताएंगी। शहनाज से पूछा गया था कि अगर उनकी जिंदगी की अपनी कोई इश्कनामा यानी प्रेम कहानी होती, तो उसका टाइटल क्या होगा।

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री ने कहा, जब मेरी जिंदगी पर फिल्म बनेगी तो मुझे लगता है कि वह बहुत दिलचस्प होगी, और जब ऐसा होगा, तब मैं उसका टाइटल भी बताऊंगी। फिल्मों में अपने अभिनय और किरदारों को लेकर शहनाज गिल ने अपनी सोच भी साझा की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब किसी सच्ची कहानी पर फिल्म बनाई जाती है तो उस किरदार के प्रति जिम्मेदारी लेना बहुत जरूरी होता है। मैंने अपनी तरफ से इस जिम्मेदारी को पूरी क्षमता के साथ निभाने की कोशिश की है। मुझे विश्वास है कि मेरे किरदार को लोग जरूर पसंद करेंगे और इससे जुड़ पाएंगे। शहनाज की आने वाली फिल्म इश्कनामा की बात करें, तो यह एक सच्ची प्रेम कहानी से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में निम्मा और नसीमा के रिश्ते की भावनाओं को गहराई से दिखाया गया है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में प्रेम, विभाजन और संघर्ष के बीच मानवीय भावनाओं की जटिलताओं को दर्शाने का प्रयास किया गया है।

आमना शरीफ अपनों के साथ अंतरग पलों में मनाएगी जन्मदिन

अभिनेत्री आमना शरीफ इस साल जन्मदिन अपनों के साथ सुकून भरे और अंतरंग पलों के बीच मनाना पसंद करेंगी। अपनी पेशेवर प्रतिबद्धताओं, फिटनेस रूटीन और पारिवारिक जीवन के बीच एक शानदार संतुलन बनाए रखने वाली आमना के लिए इस बार जन्मदिन का फंडा एकदम साधारण है, कम शोर, अधिक प्यार और ढेर सारी खूबसूरत यादें। उनका यह फैसला दिखाता है कि वह भौतिकवादी दिखावे से परे, रिश्तों और सच्चे जुड़ाव को कितना महत्व देती हैं। किसी भव्य उत्सव के बजाय, वह अपने करीबियों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की योजना बना रही हैं। दिन की शुरुआत वह कृतज्ञता और सकारात्मकता के साथ करेंगी, अपनी फिटनेस रूटीन को भी नहीं छोड़ेंगी, और जरूरतमंदों के लिए कुछ खास करके अपने दिन को और भी यादगार बनाएंगी। यह दिखाता है कि आमना न केवल अपने लिए बल्कि समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को समझती हैं। अपने जन्मदिन की योजनाओं के बारे में बात करते हुए आमना ने कहा, हर जन्मदिन मुझे यह एहसास कराता है कि मैं कितनी खुशनसीब हूं।

इस साल मैं अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ इसे सेलिब्रेट करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा यही है कि जिन लोगों से मैं प्यार करती हूं, वे मेरे आसपास हों। दिन की शुरुआत शुक्रिया के साथ करना, अपनी फिटनेस रूटीन पर कायम रहना और किसी जरूरतमंद के लिए कुछ अच्छा करना मेरे लिए इस दिन को और भी खास बनाता है। उन्होंने आगे अपनी दिली ख्वाहिश साझा करते हुए कहा, इस साल मेरी ख्वाहिश बहुत सिंपल है, मैं स्वस्थ रहूं, एक एक्टर और इंसान के तौर पर लगातार आगे बढ़ती रहूं और दर्शकों का प्यार यूं ही कमाती रहूं। मेरे लिए इससे बेहतर बर्थडे गिफ्ट और कुछ नहीं हो सकता। यह बयान उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक आकांक्षाओं को दर्शाता है। सालों से आमना शरीफ ने अपनी बेजोड़ खूबसूरती और दमदार अदाकारी से दर्शकों को खूब प्रभावित किया है। उन्होंने एक विलेन और आधा इश्क जैसे विभिन्न प्रोजेक्ट्स में अपनी परफॉर्मेंस के जरिए बतौर एक्टर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को भी बखूबी साबित किया है, जिससे उनकी पहचान सिर्फ एक खूबसूरत चेहरे तक सीमित न रहकर एक गंभीर अभिनेत्री के रूप में भी बनी है। अब जहां आमना अपने नए साल की शुरुआत अपनों के प्यार और ढेर सारी कृतज्ञता के साथ करने जा रही हैं, वहीं उनके प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छी खबर है। अभिनेत्री के पास कुछ रोमांचक और फिलहाल अनामित प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, यानी आने वाले समय में आमना एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना जादू बिखेरती नजर आएंगी।

मेरा मकसद बच्चे पैदा करने से रोकना नहीं था : माधुरी ग्रोवर

हाल ही में रियलिटी शो लॉक अपः सच या सजा की पूर्व कंटेस्टेंट माधुरी ग्रोवर अपने एक बयान को लेकर लोगों के निशाने पर आ गई थीं। शो के दौरान उन्होंने कहा था, जितने गरीब लोग बच्चे पैदा करेंगे, उतनी ही गरीबी बढ़ेगी। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ग्रोवर ने इस पूरे मामले पर अपनी सफाई पेश की है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और उनका मकसद किसी भी व्यक्ति को बच्चे पैदा करने से रोकना नहीं था। माधुरी ने जोर देकर कहा कि वह लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही थीं, न कि उन्हें रोकने के लिए। दरअसल, लॉक अप शो के दौरान माधुरी ग्रोवर ने खुलासा किया था कि उन्हें तीसरा बच्चा न होने का मलाल है। उन्होंने शो पर कहा था कि, तीसरा बच्चा आपको जवान रखता है। अगर आप शाहरुख खान समेत सभी अमीर लोगों को देखें, तो उनके तीसरा बच्चा है। हम दो हमारे दो वाली कहावत हर किसी पर लागू नहीं होती। जितने अमीर लोग जितने बच्चे पैदा करेंगे, उतनी ही अमीरी बढ़ेगी, जितने गरीब लोग बच्चे पैदा करेंगे, उतनी ही गरीबी बढ़ेगी। उनके इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी हंगामा हुआ और उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अशनीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी ग्रोवर ने बातचीत में अपने बयान को लेकर विस्तार से बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह लोगों को बच्चे पैदा करने से रोकने की बात नहीं कर रही थीं, बल्कि उनका कहना था कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ज्यादा बच्चों के बारे में सोचना चाहिए। माधुरी ने कहा, मैं ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात कर रही थी। मैंने किसी को भी बच्चे पैदा करने से नहीं रोका। जब उनसे पूछा गया कि भारत में कई सफल लोग ऐसे हैं, जिन्होंने गरीबी से निकलकर बड़ा मुकाम हासिल किया है, तो उनके बयान के पीछे का तर्क क्या था, इस पर माधुरी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, मेरी बात का संबंध अमीर और गरीब में अंतर करने से नहीं है। मैं सिर्फ यह कहना चाहती थी कि लोगों को परिवार बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। खासतौर पर अमीर लोगों को भी इस बारे में विचार करना चाहिए। मुझे खुद इस बात का अफसोस है कि मैंने ज्यादा बच्चे नहीं किए और इसी वजह से मैं यह बात कह रही थी। अगर परिवार और आबादी बढ़ती है तो इसका असर अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर भी पड़ता है। माधुरी ने उन गरीब परिवारों की स्थिति का भी जिक्र किया जो ज्यादा बच्चों के साथ जीवन आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अक्सर इस उम्मीद में होता है कि उनके बच्चों में से कोई एक आगे चलकर सफल हो जाए और परिवार की स्थिति बदल सके। उन्होंने बताया कि यह स्थिति समाज में देखने को मिलती है और इसी संदर्भ में उन्होंने अपनी बात रखी थी।

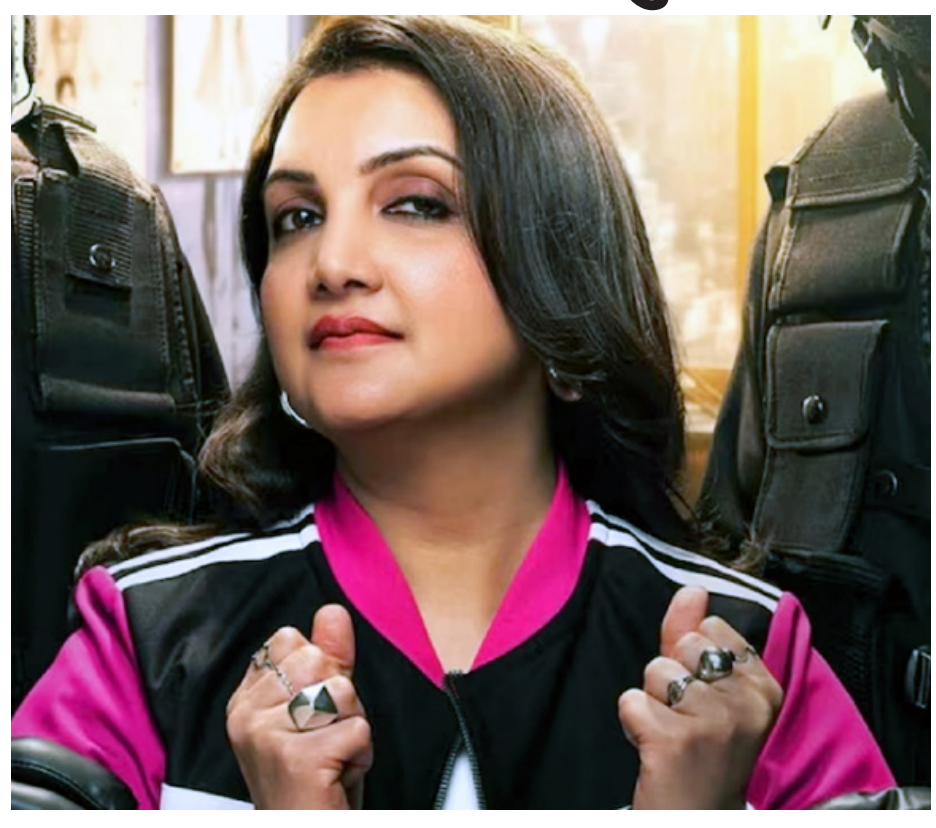

न्यूज ब्रीफ

शुभमन ने हार के लिए खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने को बड़ा कारण बताया

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसर एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की हार पर कप्तान शुभमन गिल भडक़ गये। इस मैच में हार के साथ ही भारतीय टीम सीरीज भी 1-2 से हार गयी। हार के बाद शुभमन ने खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी सवाल उठाये। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन मैचों की छोटी सीरीज में भी खिलाड़ियों का फिट न रह पाना एक गंभीर चिंता की बात है। इससे टीम की भविष्य की रणनीतियों और विश्व कप की तैयारियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। गौरतलबह है कि भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में चोट लगने के कारण पहले से ही इस सीरीज से बाहर थे। हार्दिक को यह चोट बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में लगी थी, जहां वह पीठ की चोट से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया में थे। उनकी जगह टीम में शामिल ऑलराउंडर नितीश रेड्डी भी टीम के इंग्लैंड रवाना होने से कुछ घंटे पहले ही जांघ में चोट के कारण दौरे से बाहर हो गये थे। यहां तक कि इंग्लैंड पहुंचने के बाद भी खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी रहा।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में मीराबाई और लवलीना रहेंगी भारतीय ध्वजवाहक

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ खेलों के लिए भारतीय दल की ध्वजवाहक बनायी गयी हैं। ऐसे में चानू और लवलीना 23 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में 126 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए तिरंगा लेकर मार्च करेंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने इस उपलब्धि के लिए चानू और लवलीन को बधाई दी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये दोनो ही अपने प्रदर्शन से पदक जीतने के साथ ही भारतीय दल को प्रेरित भी करेंगी। उषा ने कहा कि समारोह में दोनो ही महिला खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाया जाना, भारतीय खेलों में महिला एथलीटों की बढ़ती भूमिका और उनकी असाधारण उपलब्धियों के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है। भारोत्तोलक चानू ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में रजत पदक जीता था। इसके अलावा वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं और बर्मिंघम में आयोजित 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। हालांकि पेरिस ओलंपिक 2024 में वह पदक नहीं जीत पायी थीं पर अब ग्लासगो में उनका लक्ष्य एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतना होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : कई अनजान खिलाड़ी भी छाये रहे

टोरंटो। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा। इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की।

पीसीबी ने श्रीलंका दौरे के लिए महिला टीम में कई बदलाव किये

फातिमा एकदिवसीय और मुनीबा टी20 में कप्तानी करेंगी

लाहौर ● एजेंसी

पाकिस्तान ने श्रीलंका दौरे के लिए अपनी महिला क्रिकेट टीम में बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को टी20 जबकि ऑलराउंडर फातिमा सना को एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया है। पाकिस्तान की टीम को अपने इस दौर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय में कई बदलाव किये हैं। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि उसके किये आठ बदलावों से टीम बेहतर होकर उभरेगी। इससे टीम एक नई ऊर्जा और रणनीतिक के साथ उतरेगी।

पाक महिला टीम श्रीलंका के दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज और उसके बाद उतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह पूरा दौरा हंबनटोटा में आयोजित किया जाएगा, इसकी शुरुआत 23 जुलाई को होगी और ये 4 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए विशेष रूप से अहम है क्योंकि एकदिवसीय सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 का हिस्सा रहेगी। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें हासिल अंक अगले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधी योग्यता निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसे में, फातिमा सना पर न केवल टीम को जीत दिलाकर महत्वपूर्ण अंक बटोरने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि विश्व कप की राह में एक मजबूत शुरुआत करने का भी दबाव होगा। फातिमा अपनी प्रभावशाली तेज गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, एकदिवसीय सीरीज के बाद वह टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। वह इंग्लैंड में होने वाली प्रतिष्ठित द हंड्रेड टूर्नामेंट में भागे लेने जाएंगी। द हंड्रेड जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में फातिमा का खेलना पाकिस्तानी महिला क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह न केवल उन्हें विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि इससे अन्य पाकिस्तानी महिला क्रिकेटरों को भी बड़े मंचों पर खेलने के अवसर मिलेंगे।

फातिमा के नहीं होने पर मुनीबा को टी20 सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुनीबा, एक कुशल विकेटकीपर-बल्लेबाज, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और मैदान पर अपनी समझ के लिए जानी जाती हैं। उनके लिए यह एक बड़ा अवसर है, क्योंकि वह पहली बार राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करेंगी। आठ बदलावों के साथ टी20 टीम में युवा प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण देखने को मिलेगा। यह चयनकर्ताओं की भविष्य की रणनीति का भी संकेत हो सकता है, जहां वे नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना चाहते हैं और टीम को नई गतिशीलता प्रदान करना चाहते हैं ताकि भविष्य की चुनौतियों के लिए एक मजबूत दल तैयार किया जा सके। यह दौरा पाकिस्तान के लिए श्रीलंका की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खुद को परखने का भी एक मौका होगा।

विश्वकप में हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने आपा खोया, स्पेनिश खिलाड़ियों से मारपीट पर उतरे

शर्मनाक व्यवहार के लिए दुनिया भर में हो रही आलोचना

न्यूजर्सी ● एजेंसी

फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली 1-0 की हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाडिय़ों ने आपा खो दिया और वे विजेता टीम के खिलाडिय़ों से मारपीट तक करने लगे जिसकी कड़ी आलोचना हो रही है। प्रशंसकों और पूर्व दिग्गजों ने इस प्रकार के व्यवहार को शर्मनाक बताया है। 1-0 की दिल तोडऩे वाली हार झेलने के बाद, अर्जेंटीना के कुछ खिलाड़ी मैदान पर जश्न मना रहे स्पेनिश खिलाडिय़ों पर टूट पड़े। स्पेनिश दल पर अर्जेंटीना के खिलाडिय़ों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे खेल का मैदान देखते ही देखते किसी अखाड़े जैसा लगने लगा। हो गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने फुटबॉल जगत को स्तब्ध कर दिया है और अर्जेंटीना की टीम को उसकी हार से भी ज्यादा आलोचना का शिकार होना पड़ा है। यह शर्मनाक घटना तब शुरू हुई जब अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो परेडेस ने स्पेन के एरिक गार्सिया को घूंसा मारने के लिए अपना हाथ उठाया और उनके साथी गावी को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसी बीच, अर्जेंटीना के नाहुएल मोलिना ने स्पेन के कप्तान रोड्री के सिर पर मुक्का मार दिया। खिलाडिय़ों के बीच हुई इस हाथापाई को रोकने के लिए रेफरी और कई अन्य खिलाडिय़ों को बीच में आन पड़ा। यह नजारा देखकर कमेंट्री बॉक्स में बैठे दिग्गज फुटबॉलरों ने भी अर्जेंटीना के खिलाडिय़ों की कड़ी आलोचना की और उनके इस व्यवहार को शर्मनाक और खेल भावना के विपरीत बताया। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर और कमेंट्री कर रहे मीका रिचड्र्स ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा, यह बेहद निंदनीय है, इसकी जितने आलोचना की जाये वह कम है। वे हर बार मर्यादा की सभी सीमाएं लांघने की कगार पर रहते हैं। मैच खत्म होने के बाद इस तरह की हरकतें देखना बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। सच कहूं तो यह बेहद शर्मनाक है। परेडेस जैसे खिलाड़ी से ऐसी उम्मीद नहीं की जाती। हम सब जानते हैं कि मैच हारने पर कैसा महसूस होता है, लेकिन इस तरह का व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

वहीं इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर वेन रूनी ने भी अर्जेंटीना के बर्ताव पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि, मुझे यह देखकर कोई हैरानी नहीं हुई। हमने अर्जेंटीना को पहले भी ऐसा करते देखा है। यह बेहद दुखद है। उनकी तरफ से यह बहुत ही घटिया हरकत है। रूनी ने कहा, अगर आप का कोई मैच हारते हैं तो शालीनता दिखाइए। यह सिर्फ इस बात की बौखलाहट है कि वे खेल में पिछड़ गए थे और अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने एंजो फर्नांडीज का भी जिक्र किया, जिन्हें मैच के दौरान रेड कार्ड दिखाया गया था, जिस पर दिग्गज लियोनल मेसी भी रेफरी से बहस करते नजर आए थे। यह घटना मैच के दौरान बढ़ रहे तनाव को दिखात है, जिसका अंत खराबा हुआ।

अर्जेंटीना के इन खिलाडिय़ों ने केवल हार ही नहीं झेली, बल्कि अपने व्यवहार से खेल और देश की छवि को भी शर्मसार किया है। विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित मंच पर मारपीट की ऐसी घटनाएँ खेल भावना के खिलाफ हैं और भविष्य के खिलाडिय़ों के लिए एक गलत मिसाल पेश करती हैं। खेल में हार-जीत होना उसका हिस्सा होने के कारण स्वाभाविक है पर हार को गरिमा के साथ स्वीकार करना ही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान होती है।

भारतीय क्रिकेट में अच्छी बेंच स्ट्रेंथ से टीम चयन हुआ बेहद कठिन : दिनेश कार्तिक

मुंबई ● एजेंसी

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के अनुसार भारतीय क्रिकेट में लगातार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। इसी कारण चयनकर्ताओं के लिए अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम चयन कठिन हो गया है। कार्तिक के अनुसार अभी के समय में भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ सबसे अधिक है। इससे टीम में शामिल हर खिलाड़ी पर अपनी जगह बनाए रखने का भारी दबाव है। कार्तिक ने कहा कि साल 2027 एकदिवसीय के लिए उन्हीं खिलाडिय़ों को अवसर मिलेगा जो लगातार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि टीम प्रबंधन को वरिष्ठ खिलाडिय़ों के भविष्य के संबंध में स्पष्ट संवाद स्थापित करना होगा, ताकि सशंय की भावन दूर ओ और खिलाड़ी मानसिक रूप से हर स्थित के लिए तैयार रहें।

एक कार्यक्रम में कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कहा, इस समय भारत एक ऐसी अनोखी स्थिति में है, जहां कोई अन्य क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है। हमारी टीम के हर स्थान के लिए कई मजबूत विकल्प उपलब्ध हैं। यही कारण है कि आज भारत के लिए खेलना पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण और मुश्किल हो गया है, क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के कई विकल्प उपलब्ध हैं ऐसे में किसी भी खिलाड़ी को अपनी जगह बचाने का निरंतर दबाव महसूस होता है। यह टिप्पणी भारतीय क्रिकेट के उवल भविष्य और साथ ही खिलाडिय़ों के सामने आने वाली मनोवैज्ञानिक चुनौती दोनों को दर्शाती है, जहाँ प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है। कार्तिक ने कहा कि चयनकर्ताओं के सामने भी काफी कठिन स्थिति है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के लिए फैसला लेना कितना कठिन होता है ये समझा जा सकता है। अगर आप अजित अगरकर की कुर्सी पर बैठे हों, तो यह आसान फैसला नहीं होता। आपको यह तय करना होता है कि मौजूदा सुपरस्टार को मौका दिया जाए या उस युवा खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए जो आने वाले वर्षों में एक सुपरस्टार बन सकता है।, कार्तिक ने कहा।

युवा खिलाडिय़ों का लगातार शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम से बाहर रखना कठिन बना देता है, जिससे चयनकर्ताओं को अनुभवी और युवा प्रतिभा के बीच एक संतुलन बनाना पड़ता है। कार्तिक ने हालांकि वरिष्ठ खिलाडिय़ों के प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, वरिष्ठ खिलाडिय़ों ने देश के लिए जो योगदान दिया है, उसे देखते हुए मैं चाहता हूं कि उन्हें अपने करियर का अंत अपने तरीके से करने का अवसर मिले। उन्होंने इस बात की वास्तविकता को भी स्वीकार किया कि हर कहानी का अंत मनचाहा नहीं होता। कार्तिक का मानना है कि प्रबंधन की स्पष्टता और पारदर्शिता ही खिलाडिय़ों को तनावमुक्त रखने और टीम के समग्र प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर जब टीम 2027 विश्व कप की तैयारी कर रही हो और उसे एक मजबूत व एकजुट इकाई के रूप में आगे बढऩा हो।

सिंधु लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत के लिए पदक की बड़ी दावेदार होगी : गोपीचंद

युगल में सात्विकसाईराज और चिराग रहेंगे प्रबल दावेदार

हैदराबाद ● एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा है कि पीवी सिंधु 2028 लास एंजिल्स खेलों में देश के लिए पदक की एक बड़ी दावेदार रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार दो बार ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने जिस प्रकार से जापान ओपन जीत है। उससे साफ है कि वह लय में आ गयी हैं और अब 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक में उनकी नजरें स्वर्ण पदक पर रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार जापान में सिंधु ने शीर्ष स्तर की खिलाडिय़ों के खिलाफ काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऐसे में वह ओलंपिक में अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेंगी। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से जुड़े एक कार्यक्रम में गोपीचंद ने कहा कि सिंधु निश्चित रूप से ओलंपिक पदक की एक मजबूत दावेदार हैं। उन्होंने उनमें चेन यूफेई और हान यूए जैसी दिग्गजों को हराने की पूरी क्षमता है। गोपीचंद के अनुसार, कई खिलाड़ी अभी भी सिंधु की खेल शैली को पूरी तरह से समझ नहीं पायी हैं जिसका भी लाभ उन्हें मिलेगा। भारतीय दल की अन्य उम्मीदों पर प्रकाश डालते हुए गोपीचंद ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी किसी भी दिन खिताब जीतने का दम रखती है। उन्होंने बताया कि सात्विक फिलहाल कंधे की चोट से उबर रहे हैं और उम्मीद है कि वह विश्व चैंपियनशिप तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। इसी चोट के कारण वे अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके अतिरिक्त, कोच ने युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी की भी जमकर प्रशंसा की और स्वीकार किया कि पुरुष एकल वर्ग में प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है, फिर भी इन युवा प्रतिभाओं से काफी उम्मीदें हैं।

बॉटम

एम्बाप्पे ने गोल्डन बूट से रचा इतिहास

स्पेन के मिडफील्डर रोड्री को गोल्डन बॉल, सिमोन को गोल्डन ग्लव अवार्ड

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

फीफा विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में स्पेन ने 2010 के बाद अपना दूसरा विश्व कप खिताब जीता है। इस खिताबी जीत के साथ ही पूरे टूर्नामेंट में स्पेनिश खिलाडिय़ों का कौशल देखने को मिला, जिससे गोल्डन बूट को छोडक़र सभी प्रमुख व्यक्तिगत पुरस्कार स्पेन ने जीते।

टूर्नामेंट में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए स्पेन के कप्तान और मिडफील्डर रोड्री को प्रतिष्ठित गोल्डन बॉल पुरस्कार मिला। रोड्री पूरे टूर्नामेंट में स्पेन का आधार साबित हुए, उन्होंने टीम के दौरान सभी आठ मैचों में मिडफील्ड पर नियंत्रित बनाया और विरोधी टीमों के हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में उनके इस अपार योगदान और मैदान पर उनके निरंतर दबदबे ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का हकदार बनाया। वहीं स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने फीफा विश्व कप 2026 का गोल्डन ग्लव अपने नाम किया। सिमोन पूरे टूर्नामेंट में स्पेन के गोलपोस्ट के सामने डटे रहे। उन्होंने आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खाया और सात प्रयास नाकाम कर दिये। ये उनकी अद्भुत रक्षात्मक क्षमता का प्रमाण है। अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में अतिरिक्त समय में उनका शानदार बचाव निर्णायक साबित हुआ, जिसने स्पेन को चैंपियन बनने में मदद की। सिमोन ने विश्व कप में लगातार 650 मिनट तक कोई गोल न खाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इसके अलावा स्पेन के 19 वर्षीय सेंटर-बैक पाउ कुबार्सी को सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का अवार्ड मिला। कुबार्सी ने विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता और सूझबूझ का परिचय दिया। अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल जैसे दबाव वाले मैच में भी वह स्पेन की रक्षापंक्त के मुख्य स्तंभ बने रहे, जिसने उनकी क्षमता को उजागर किया।

वहीं सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाला गोल्डन बूट अवार्ड चौथे स्थान पर रही फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने जीता है। एम्बाप्पे ने जीता, जिन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 10 गोल दागे। यह लगातार दूसरी बार है जब एम्बाप्पे ने गोल्डन बूट का पुरस्कार जीता है, जो फुटबॉल विश्व कप के इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी खिलाड़ी ने लगातार दो विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। पिछले विश्व कप 2022 में उन्होंने 8 गोल किए थे, जिसमें फाइनल में उनकी यादगार हैट्रिक भी शामिल थी।

न्यूज ब्रीफ

त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत, पुलिस मुख्यालय में मिला शव

अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ अगरतला स्थित पुलिस मुख्यालय में मृत मिले, जिससे राज्य से सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। 1994 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के आकस्मिक निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद खबर के सामने आते ही राज्य प्रशासन में हडक़ंप मच गया। मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा तुरंत पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जबकि मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा सहित गृह विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल जीबी अस्पताल पहुंचे। पुलिस मुख्यालय के भीतर घटना के तुरंत बाद आवश्यक साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरु की गई है। सूत्रों से पता चला हैं कि उन्होंने अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मारी है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। मई 2025 से त्रिपुरा के पुलिस प्रमुख के रुप में कार्यरत रहे धनखड़ ने सीबीआई, बीएसएफ और संयुक्त राष्ट्र मिशन जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी थीं।

तीन दिन बाद डोडा में बहाल हुई इंटरनेट सेवा, लोगों को मिली राहत

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में तीन दिनों से बंद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं सोमवार सुबह आंशिक रुप से बहाल कर दी गईं। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद 2जी स्पीड पर इंटरनेट सेवा शुरु करने का निर्णय लिया, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। अधिकारियों के अनुसार, जिले में सुरक्षा हालात सामान्य होने के बाद इंटरनेट सेवा बहाल करने का फैसला लिया गया। फिलहाल मोबाइल इंटरनेट 2जी गति पर उपलब्ध कराया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इंटरनेट सेवा बंद रहने से लोगों को ऑनलाइन लेन-देन, पढ़ाई, सरकारी सेवाओं और दैनिक संचार से जुड़े कई कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सेवा बहाल होने के बाद विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों ने राहत व्यक्त की है। इंटरनेट सेवा की आंशिक बहाली के साथ ही प्रशासन ने कहा कि जिले की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वाहन ट्रांसफर और एनओसी के लिए आधार लिंकिंग अनिवार्य

गांधीनगर | देशभर में वाहन स्वामित्व हस्तांतरण और नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सरल बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने परिवहन पोर्टल में एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत अब वाहन स्वामित्व परिवर्तन तथा वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के मामलों में परिवहन पोर्टल पर आधार कार्ड लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्णय गुजरात सहित पूरे देश में 15 जुलाई 2026 से लागू कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि वाहन मालिकों के रिकॉर्ड और आधार कार्ड से संबंधित जानकारी में किसी भी प्रकार की विसंगति या त्रुटि न रहे, इसके लिए इन दोनों महत्वपूर्ण सेवाओं में यह सुधार आवश्यक था। नई प्रक्रिया के अनुसार वाहन स्वामित्व परिवर्तन या एनओसी के लिए आवेदन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को परिवहन पोर्टल पर अपने आधार कार्ड का विवरण दर्ज करना होगा। यदि आधार कार्ड की जानकारी और परिवहन पोर्टल पर उपलब्ध रिकॉर्ड पूरी तरह मेल खाते हैं, तभी वाहन स्वामित्व परिवर्तन की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी की जा सकेगी। यदि आधार कार्ड और परिवहन पोर्टल में उपलब्ध विवरणों के बीच कोई अंतर पाया जाता है, तो आवेदक को अपने ड्राइविंग लाइसेंस का विवरण भी दर्ज करना होगा। इसके बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

ई20 पेट्रोल पर विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तैयार कर रहा पॉलिसी

नई दिल्ली ● एजेंसी

पेट्रोल में ई20 मिलावट के बाद, अब खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल जल्द ही जगह बना सकता है और रसोई गैस की छुट्टी हो सकती है. एथेनॉल को लेकर चल रहे विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एक ऐसी पॉलिसी तैयार कर रहा है, जिसका उद्देश्य एथेनॉल को घरेलू खाना पकाने के फ्यूल के तौर पर मुख्यधारा में लाना है. वहीं सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह इसकी जांच करेगी और सब्सिडी व्यवस्था भी लागू कर सकती है. एक रिपोर्ट के अनुसार, इस समय ईंधन आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ प्रस्तावित नीति पर सरकार के साथ समानांतर चर्चा कर रहे हैं. रसोई में एथेनॉल की पॉलिसी सितंबर तक तैयार हो सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि एलपीजी पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल को उपयोग में लाया जाएगा और आयात बिल को कम किया जाएगा. एक अधिकारी ने कहा कि वैकल्पिक स्वच्छ खाना पकाने की नीति पर काम चल रहा है, जो घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में एलपीजी के साथ-साथ एथेनॉल को अपनाने में मदद करेगी. अप्रैल में एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि सरकार के निर्देश के बाद, घरेलू खाना पकाने के लिए एक स्वच्छ विकल्प के रूप में एथेनॉल से चलने वाले खाना पकाने के चूल्हों का परीक्षण किया जा रहा है.

तेल कंपनियां भी इस चर्चा में शामिलः ऐसा माना जा रहा है कि तेल विपणन कंपनियां भी इस पहल से संबंधित चर्चाओं में शामिल हैं. उन्होंने एथेनॉल से चलने वाले चूल्हों से संबंधित रिसर्च और विकास कार्य किया है और मौजूदा एथेनॉल बेस खाना पकाने की तकनीकों से जुड़े संभावित अधिग्रहण या साझेदारी की संभावनाओं का पता लगा रही हैं.

सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है सरकार

रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि एथेनॉल बेस्ड खाना पकाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसी भी तरह की सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है. भारत द्वारा घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रुप में एथेनॉल को बढ़ावा देने का कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब घरेलू एथेनॉल की उपलब्धता में तेजी से वृद्धि हुई है. मई में जारी केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश की वार्षिक एथेनॉल उत्पादन क्षमता पहले ही 20 अरब लीटर से अधिक हो चुकी है, और चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें अतिरिक्त 4 अरब लीटर की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस क्षमता में से, सरकार के ई20 एथेनॉल मिलावट के तहत हर साल लगभग 11 अरब लीटर की खपत होती है, जबकि शराब निर्माता, दवा कंपनियां और रसायन उत्पादक मिलकर 3-3.5 अरब लीटर का उपयोग करते हैं. इससे लगभग 7 अरब लीटर उत्पादन क्षमता अप्रयुक्त रह जाती है. इसके साथ, भारत नेपाल, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे पड़ोसी बाजारों में एथेनॉल निर्यात की संभावनाओं का भी पता लगा सकता है, जहां एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य 10त्न है, लेकिन घरेलू कच्चे माल की उपलब्धता अपर्याप्त बनी हुई है.

कांग्रेस-सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

जनसभा में बार-बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले- साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर ● एजेंसी

यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार-बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढक़र ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहेः पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है। इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है।

तीन दिवसीय मानसून फूड एंड कल्चरल फेस्टिवल का भव्य समापन

निकोबार ● एजेंसी

निकोबार में आयोजित तीन दिवसीय आइलैंड मानसून फूड एंड कल्चर फेस्टिवल-2026 का रविवार शाम आईटीएफ ग्राउंड में भव्य समापन हुआ। पर्यटन विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव ने द्वीपों की समृद्ध पाक परंपराओं और विविध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया। पर्यटन कैलेंडर के प्रमुख आयोजनों में शामिल यह महोत्सव अब द्वीपसमूह की बहुसांस्कृतिक पहचान, पर्यटन संवर्धन और विभिन्न समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देने वाले महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में पहचान बना रहा है। तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में स्थानीय व्यंजनों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों और क्षेत्रीय विशेषताओं ने लोगों को खूब आकर्षित किया। समापन दिवस पर रविवार होने के कारण आईटीएफ ग्राउंड में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, पर्यटक, परिवार, युवा और बच्चे पहुंचे। आगंतुकों ने विभिन्न खाद्य स्टॉलों पर पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया और प्रदर्शनी स्टॉलों का भ्रमण किया। रोशनी से सजे आईटीएफ ग्राउंड, सुहाने मानसूनी मौसम और ताजा तैयार हो रहे व्यंजनों की खुशबू ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया।

समापन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। नाट्यांजलि क्लासिकल डांस अकादमी की कलाकार अखन्या सुजित और उनकी टीम ने समकालीन एवं शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद अंडमान महिला मंडल ने 'माय भारत/सुरों का सफर' कार्यक्रम प्रस्तुत किया। करेन समुदाय के पारंपरिक नृत्य और ओडिसी नृत्य ने भारतीय सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक पेश की। कार्यक्रम का समापन कलापानी बैंड की ऊर्जावान लाइव प्रस्तुति के साथ हुआ। बॉलीवुड गीतों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं, गाने गाए और नृत्य किया। भोजन, संगीत, नृत्य और परंपराओं के सुंदर संगम ने आइलैंड मानसून फूड एंड कल्चर फेस्टिवल-2026 को यादगार बना दिया।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ● एजेंसी

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके

अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए। शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

बॉटम

राज्यसभा में भी कार्यवाही बार-बार हुई बाधित

हंगामे की भेंट चढ़े प्रश्नकाल और शून्यकाल, लोकसभा कार्यवाही बार-बार हुई स्थगित

नई दिल्ली ● एजेंसी

संसद के मानसून सत्र का पहला दिन विपक्ष के हंगामे के कारण लगातार बाधित रहा। नीट पेपर लीक, छात्रों के प्रदर्शन और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के चलते लोकसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

लोकसभा में सुबह कार्यवाही शुरू होते ही दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके तुरंत बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सांसदों ने नीट पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से अपनी सीटों पर लौटकर सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन विपक्ष का विरोध जारी रहा। कुछ ही मिनटों बाद सदन को फिर स्थगित करना पड़ा। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे जब कार्यवाही तीसरी बार शुरू हुई तो कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसद फिर नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अध्यक्ष दिलीप सैकिया

ने विपक्ष से कहा कि सुबह से लगातार सदन बाधित किया जा रहा है, जबकि असम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बाढ़ की गंभीर स्थिति है और उस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शून्यकाल सांसदों के लिए जनहित के मुद्दे उठाने का महत्वपूर्ण अवसर होता है, लेकिन लगातार व्यवधान के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। उनके अनुरोध के बावजूद हंगामा नहीं थमा और कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

उधर, राज्यसभा में भी नए सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद विपक्ष ने नीट पेपर लीक और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का मुद्दा उठाया। इसके चलते सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक स्थगित की गई। बाद में कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा और सदन कुछ ही मिनट चलने के बाद दोबारा स्थगित करना पड़ा। तीसरी बार भी कार्यवाही शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही सदन स्थगित कर दिया गया। इस तरह से संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही विपक्ष ने स्पष्ट संकेत दे दिए कि वह नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था, छात्रों के प्रदर्शन और अन्य जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति पर कायम रहेगा, जबकि सरकार महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। ऐसे में आगामी दिनों में संसद के दोनों सदनों में तीखी राजनीतिक टकराहट जारी रहने के आसार हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पैकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)